www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

एक मिनट में कभी जिंदगी नही बदलती है

लेकिन एक मिनट में सोच कर लिया गया फैसला

आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है।

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-51 ❖ मुंबई ❖ रविवार 13 से 19 दिसंबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

बढ़ रहे हैं यात्री, लेकिन मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं नदारद

पेज 5

किसान आंदोलन को लेकर पीयूष गोयल बोले, अब वामपंथी, माओवादी और असामाजिक तत्व कर रहे हैं माहौल बिगाड़ने की कोशिश

पेज 7

श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत हुए कोरोना का शिकार

पेज 8

शिवसेना का प्रयास, जाम के झाम से मिलेगी मुक्ति

नागपुर-शिर्डी राजमार्ग का कार्य 1 मई से : उद्धव ठाकरे

कोरोना संकट काल से उबरने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को शहर के गरवारे स्टेडियम परिसर में 1680 करोड़ की जलापूर्ति योजना समेत चार विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष का नाम लिए बगैर कहा कि कोरोना काल में लोगों ने हम पर घर में बैठे रहने का आरोप लगाया, लेकिन हमने घर बैठ कर भी काम किया। महामारी का मुकाबला करते हुए विकास कामों को जारी रखा और इसी का परिणाम है कि आज औरंगाबाद में सूबे की सबसे बड़ी जलापूर्ति योजना की शुरूआत हो रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शिर्डी राजमार्ग का कार्य1 मई 2021 से शुरू होगा। कोरोना संकट के कारण करीब 300 लोगों की मौजूदगी में सभा में मुख्यमंत्री ठाकरे ने जलापूर्ति योजना के साथ-साथ 174 करोड़ के जंगल सफारी पार्क, 152 करोड़ की 23 सड़कें और 25 करोड़ के ठाकरे स्मृतिवन के कार्यां का स्टेज पर रिमोट दबाकर आभासीय भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री का भाषण सुनने व देखने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 70 स्क्रीन स्टेज लगाए गए थे। वर्ष 2052 तक शहर की संभावित आबादी 33 लाख को ध्यान रखकर बनाई गई परियोजना तीन सालों में पूर्ण की जाएगी। परियोजना का कार्य साकार होने पर प्रति व्यक्ति प्रति दिन 135 लीटर पानी उपलब्ध कराया जाएगा। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के हाथ में यह परियोजना दी गई है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने कोरोना संकट से बचने की गई उपाय योजनाओं को दुरुस्त बताया। औरंगाबाद से भावनात्मक संबंध बताते हुए कहा कि बालासाहब ठाकरे का औरंगाबाद वासियों से एवं यहां के लोगों का गहरा लगाव रहा है। हम उस रिश्ते को बखूबी निभाएंगे। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री सवा एक बजे यहां पहुंचे। उनके साथ पेयजल आपूर्ति मंत्री गुलाबराव पाटील, नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे, उद्योग व जिले के पालकमंत्री सुभाष देसाई, रोगायो मंत्री संदीपान भूमरे, राज्यमंत्री अब्दुल सत्तार के अलावा विधायक प्रदीप जायसवाल, अंबादास दानवे, संजय शिरसाठ, सतीश चव्हाण, हरिभाऊ बागड़े, पूर्व महापौर नंदकुमार घोड़ेले, संभागीय आयुक्त सुनील केंद्रेकर, जिलाधिकारी सुनील चव्हाण, मनपा आयुक्त आस्तिक कुमार पांडेय, पुलिस आयुक्त निखिल गुप्ता और अतिथिगण मौजूद थे।

शहीद सैनिकों की पत्नी और संतान को रोजगार देने पर विचार कर रही महाराष्ट्र सरकार

देश के लिए शहीद हुए सैनिकों की पत्नी या संतान में से किसी एक को रोजगार देने पर महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी सरकार विचार कर रही है।

मुंबई, देश के लिए जान गंवाने वाले सैनिकों की पत्नी या संतान में से किसी एक को रोजगार देने पर महाराष्ट्र की महाविकास आघाडी सरकार विचार कर रही है। शनिवार को राज्य के पूर्व सैनिक कल्याण मंत्री सतेज पाटील ने कहा कि राज्य में नक्सली हमलों में पुलिसकर्मियों के मारे जाने पर उनके परिजन में किसी एक सदस्य को रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

ठीक इसी तर्ज पर तर्ज देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सैनिकों की पत्नी और संतान को रोजगार देने के बाबत विचार कर रही है।शहीद सैनिकों के परिजन को भत्ते एवं अन्य सुविधाएं देने पर चर्चा करने के लिए हुई एक बैठक में पटील ने कहा कि जिलाधिकारियों से कहा गया है कि वे पूर्व सैनिकों के परिजन को भूमि आवंटित करेंगे और इस पर तीन महीने में रिपोर्ट सौंपी जाए।

उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के लिए एक वेबसाइट भी शुरू करने का बैठक में निर्णय लिया गया, ताकि इसके माध्यम से उनके मुद्दों का निवारण किया जा सके।

साउथ के 'भगवान' रजनीकांत मना रहे हैं 70वां जन्मदिन

▶ पीएम मोदी सहित स्टार्स ने दी शुभकामनाएं

मुंबई। सुपरस्टार और साउथ इंडस्ट्री में भगवान का दर्जा पा चुके रजनीकांत (Rajinikanth) आज अपना 70 वां जन्मदिन मना रहे हैं। रजनीकांत ने अपनी स्टाइल और एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। रजनीकांत के फैंस को उनका स्टाइल हमेशा से पसंद रहा है। फिर चाहे वह चश्मा पहनने का अंदाज हो, सिगरेट जलाना, कंधे पर स्टोल फ्लिप करना या कांफिडेंस से भरी रजनीकांत की चाल। दुनियाभर में उनकी फैन फॉलोइंग है। ऐसे में उनके जन्मदिन पर देश विदेश से बधाई और शुभकामनाएं मिल रही हैं।

खास बात यह कि रजनीकांत मराठी हैं और खुद तमिल नहीं होते हुए भी तमिल सुपरस्टार हैं। रजनीकांत ने ना केवल दक्षिणी सिनेमा में बल्कि उन्होंने कई भाषाओं हिंदी और कन्नड फिल्मों में भी अभिनय किया है। रजनीकांत ने हॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया। रजनीकांत के जन्मदिन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। इसके अलावा उन्हें कई स्टार्स ने सोशल मीडिया के जरिए शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर लिखा- प्यारे रजनीकांत जी, आपको जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। भगवान करे आप हमेशा स्वस्थ रहें और लंबी उम्र तक जिएं।

राकांपा अध्यक्ष यूपीए की कमान संभालते हैं तो आंनद की बात हैः सांसद राउत

शिवसेना सांसद संजय राऊत ने कहा, अगर शरद पवार यूपीए के अध्यक्ष होते हैं, तो यह आनंद की बात है। श्री पवार में देश का नेतृत्व करने की क्षमता है।

इसके बावजूद वह कांग्रेसकाल में प्रधानमंत्री की कुर्सी तक नही पहुंचे। क्योंकि उत्तर दिशा के नेता श्री पवार का नाम सुनते ही तिलमिला जाते है। इस दौरान सांसद श्री राऊत ने आगामी स्थानिक स्वराज्य संस्था के सभी चुनाव में महाविकास आघाड़ी ने एकसाथ लड़ने का निर्णय होने की बात कही। कहा कि, मुंबई और नाशिक में आगामी महापौर शिवसेना का ही होगा। श्री राऊत ने नाशिक में आयोजित पत्रकार परिषद को संबोधित किया। उन्होंने आगे कहा, मुंबई और नाशिक दोनों जगह पर पहले नंबर की पार्टी के रूप में शिवसेना खड़ी है। सभी का सम्मान रखते हुए चुनाव में उतरेंगे।

शिक्षक और पदवीधर चुनाव में एक साथ लड़ने से लाभ हुआ है। ईडी और सीबीआई के मुद्दे पर राऊत ने कहा, ईडी और सीबीआई भाजपा के कार्यकर्ता जैसा बर्ताव न करें। केंद्र सरकार की अपेक्षित यह संस्था काम कर रही है। इससे ईडी और सीबीआई की प्रतिमा मलिन हो रही है। शरद पवार के बारे में राऊत

ने कहा, पवार कांग्रेस की बदोलत प्रधानमंत्री पद तक नहीं पहुंच पाए, जो मैं पहले से कह रहा हुं। पवार को पहले ही प्रधानमंत्री पद पर विराजमान होने का अवसर मिलना चाहिए था। श्री पवार के दबदबे के आगे उत्तर दिशा के नेता हमेशा डरते थे। इसलिए उन्होंने हमेशा पवार की समस्या बढ़ाई। श्री पवार में देश का नेतृत्व करने की क्षमता है। यूपीए के नेतृत्व पर राऊत ने कहा, यूपीए का नेतृत्व किसने करना चाहिए? इस पर हमेशा चर्चा होती है, परंतु आज तक निर्णय नहीं हुआ है। राज्य का नेता यूपीए का अध्यक्ष हुआ तो आनंद है। किसानों द्वारा शुरू किए गए आंदोलन के बारे में बोलते हुए राऊत ने कहा, किसानों का आंदोलन किसी ने भी हाईजैक नहीं किया है। वह किसानों का ही आंदोलन है। किसानों की समस्या पर सरकार एक कदम पीछे हटेगी तो इसमें उनकी हार नहीं है। किसानों के आंदोलन में पाकिस्तान और चीन का हाथ होगा तो देश के सुरक्षा मंत्री चुप क्यों है? ऐसा सवाल पूछते हुए उन्होंने राज्यपाल की भूमिका के बारे में कहा, हमारा संविधान पर भरोसा है। राज्यपाल का सरकार के कामकाज में कोई हस्तक्षेप नहीं है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे किसी का भी घटनाबाह्य हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करते।

किसानों की सहिष्णुता का इम्तिहान न ले मोदी सरकार : पवार

मुम्बई, केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को सरकार से कृषकों की सहिष्णुता का इम्तिहान नहीं लेने का आह्वान किया। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि यदि सरकार ने किसानों की मांगों पर समय से निर्णय नहीं लिया तो दिल्ली की सीमाओं पर चला रहा प्रदर्शन अन्यत्र

भी फैल सकता है। पवार ने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा विस्तृत चर्चा की मांग किए जाने के बावजूद संबंधित कृषि विधेयक संसद में 'हड़बड़ी' में पारित किए गए थे। विभिन्न राज्यों के किसान इन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर करीब दो सप्ताह से दिल्ली के सिंघू, टिकरी, गाजीपुर और चिल्ला बार्डरों पर डेरा डाले हुए हैं।

मंत्रालय समेत सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों के जींस और टीशर्ट पहनने पर रोक

नागपुर। मंत्रालय समेत प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालय में कार्यरत नियमित और संविदा अधिकारी, कर्मचारी और सलाहकार दफ्तर में अब जींस और टीशर्ट पहनकर नहीं आ सकेंगे। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सप्ताह में कम से कम एक बार शुक्रवार के दिन खादी के कपड़े पहनने होंगे। प्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने सरकार के नियमित और संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड लागू करने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किया है। इसके अनुसार महिला कर्मचारी कार्यालय में साड़ी, सलवार, चूड़ीदार कुर्ता, ट्राउजर पैंट व उस पर कुर्ता अथवा शर्ट और आवश्यकता पड़ने पर दुपट्टा का इस्तेमाल कर सकती हैं। पुरुष कर्मचारी शर्ट, पैंट, ट्राउजर पैंट का परिधान कर सकते हैं। पुरुष कर्मचारी गहरे रंग व चित्रविचित्र नक्शा और चित्र वाले कपड़े परिधान नहीं कर सकते हैं। सरकारी कार्यालयों में महिला अधिकारी और कर्मचारी चप्पल, सैंडल, शूज का इस्तेमाल कर सकेंगी। जबकि पुरुष अधिकारी और कर्मचारियों को बूट और सैंडल का उपयोग करना पड़ेगा। कर्मचारियों के स्लीपर पहनने पर रोक लगा दी गई है। सरकार का कहना है कि सरकारी कार्यालय में काम करने वाले कई अधिकारी और कर्मचारी प्रमुख रूप से संविदा कर्मी और सलाहकार के रूप में नियुक्त कर्मचारी सरकारी कर्मचारियों के अनुरूप वेशभूषा का इस्तेमाल नहीं करते हैं। इससे सरकारी कर्मचारियों की जनता में छवि मलीन होती है। इसलिए सरकार ने अधिकारियों और कर्मचारियों के वेशभूषा के संबंध में दिशानिर्देश जारी किया गया है।

होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का पदार्फाश, दो गिरफ्तार, 5 युवतियों को कराया मुक्त

ठाणे, ठाणे शहर के निसर्गोपचार केंद्र तथा होटल में चल रही वेश्यावृत्ति का पर्दाफाश अपराध शाखा पुलिस के मानव तस्करी विभाग ने किया है। पुलिस ने एक महिला व एक पुरुष सहित कुल दो लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य दो लोगों की तलाश जारी है। गिरफ्तार अफसाना उर्फ जानवी तथा सुशील तायड़े की गिरफ्त में रहीं 5 युवतियों को पुलिस ने मुक्त कराया है। शहर के कोपरी स्थित मातोश्री निसर्गोपचार एवं सम्मोहन केंद्र में मसाज की आड़ में सेक्स रैकेट के चलने की सूचना पुलिस के मानव तस्करी विभाग के सीनियर पीआई अशोक कडलग को मिली थी। जिसके बाद डीसीपी लक्ष्मीकांत पाटील, एसीपी सुनील बाजारे के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने छापा मारा। पुलिस ने फर्जी ग्राहक के जरिये मैनेजर सुशील तायड़े को गिरफ्तार किया।

किसान आंदोलन पर बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के खिलाफ प्रदर्शन, मांगा इस्तीफा

मुंबई, दिल्ली में जारी किसान आंदोलन के बाबत केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने कहा था कि, किसान आंदोलन के पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ है। उनके इस बयान की काफी आलोचना हो रही है। शिवसेना सहित तमाम विरोधी दलों ने दानवे के बयान पर उनका इस्तीफे की मांगा है। उनके खिलाफ महाराष्ट्र में जगह-जगह प्रदर्शन किया जा रहा है। औरंगाबाद-जालना स्थानीय निकाय से विधान परिषद पहुंचे शिवसेना के अंबादास दानवे ने केंद्रीय मंत्री दानवे के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। विधान परिषद सदस्य अंबादास दानवे ने कहा कि केंद्र के कृषि कानूनों से जो अन्याय हुआ है, किसान उसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। दानवे ने किसानों का अपमान किया है। अगर बीजेपी दानवे को पद से नहीं हटाती है, तो यह माना जाएगा कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी ने दानवे के बयान का समर्थन किया। मराठवाडा क्षेत्र के नांदेड जिले में भी केंद्रीय मंत्री के विरोध में प्रदर्शन किया गया।

कैसे टूटे किसान आंदोलन का गतिरोध

नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों और सरकार के बीच जारी बातचीत में आया गतिरोध टूटने की कोई सूरत नहीं बन पा रही है। बिना किसी पूर्व योजना के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निमंत्रण पर उनसे हुई किसान नेताओं की वार्ता के बाद सरकार द्वारा भेजे गए लिखित प्रस्ताव को भी किसानों ने ठुकरा दिया है, साथ ही अपना आंदोलन और तेज करने की घोषणा की है। हालांकि मंगलवार को भारत बंद के बाद जब गृहमंत्री ने किसान नेताओं को बुलाया तो इसको इस बात का संकेत माना गया कि सरकार आंदोलन की मांगों को लेकर गंभीर है और अब कोई रास्ता निकल आएगा। सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में एमएसपी गारंटी करने का कानून बनाने वाली बात भले न हो, पर इसमें एमएसपी जारी रखने का लिखित आश्वासन देना मंजूर किया गया है।

इसके अलावा फसल की खरीदी करने वाले निजी व्यवसायियों के राज्य सरकारों द्वारा रजिस्ट्रेशन किए जाने और अनाज मंडी से बाहर की जाने वाली खरीद-बिक्री पर भी टैक्स लगाने का अधिकार उनको देने की बात इस प्रस्ताव में कही गई है। किसानों की कई और चिंताओं को दूर करने की कोशिश भी इसमें दिखती है। बावजूद इसके, किसान आंदोलन से जुड़े संगठनों के नेतृत्व ने एक स्वर से इसे खारिज कर दिया।

उनका कहना है कि सभी दौरों की बातचीत में सरकार की तरफ से एक ही बात कही जाती रही है कि वह किसानों की सभी आशंकाओं और चिंताओं को दूर करना चाहती है, लेकिन उसकी किसी बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता। साफ है कि सरकार और किसानों के बीच दूरी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। शायद यही वह सबसे बड़ी वजह है, जिसके चलते लगातार बातचीत के बावजूद दोनों पक्षों के बीच सार्थक संवाद का कोई पुल बनता नहीं दिख रहा है। सरकार और किसानों के बीच भरोसे की ऐसी कमी भारतीय

लोकतंत्र के लिए चिंता की बात होनी चाहिए, हालांकि यह स्थिति कोई एक-दो दिन में नहीं आई है। कृषि कानूनों पर संसद में चर्चा के दौरान विपक्षी पार्टियों का रुख बहुत कड़ा था लेकिन सरकार ने उसकी कोई परवाह नहीं की। किसानों के शुरुआती विरोध प्रदर्शनों को भी खास तवज्जो नहीं दी गई। पंजाब में लंबे समय तक रेल पटरियों पर जारी धरने को सिरे से अनदेखा कर दिया गया। वहां से किसान दिल्ली के लिए निकले तो हरियाणा में उन्हें बलपूर्वक रोकने की कोशिश हुई। यहां तक कि दिल्ली बॉर्डर तक पहुंच जाने और यहां डेरा जमा लेने के बावजूद सत्तारूढ़ हलकों की ओर से कभी उनको बरगलाया हुआ बताया जाता रहा तो कभी खालिस्तानी करार देने की कोशिश की गई। ऐसे में यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरा जनता का यह अहम हिस्सा सरकार की बातों पर भरोसा कर लेगा? जाहिर है, संवाद की सफलता का सवाल तो बाद में उठेगा, पहले सरकार खुद किसानों पर भरोसा करे। इस क्रम में वह किसानों का विश्वास भी जीत सकती है। दोनों पक्षों को याद दिलाना जरूरी है कि फैसला अंततः बातचीत से ही होगा, बल प्रदर्शन से नहीं। हालांकि बातचीत का माहौल बनाने की जिम्मेदारी निश्चित रूप से किसानों से ज्यादा सरकार की है।

टीकाकरण की ओर कोरोना से लड़ाई का नया चरण

संजय शर्मा

चीन के वूहान शहर में पहली बार कोरोना वायरस के मामले सामने आने के एक साल बाद अब दुनिया इससे लड़ाई के दूसरे महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर गई है। यह है टीकाकरण के जरिए इससे बचाव का अभियान। अमेरिकी कंपनी फाइजर और जर्मन कंपनी बायोएनटेक द्वारा तैयार किए गए टीके को मंजूरी देकर ब्रिटेन बड़े पैमाने पर टीकाकरण शुरू करने वाला पहला पश्चिमी देश बन गया है। हालांकि रूस ने इससे पहले ही अपने देश में बने स्पुतनिक वी टीके से इस अभियान की शुरुआत कर दी है, लेकिन पारदर्शिता की कमी के चलते उसके टीके और उसकी मंजूरी को लेकर विश्व स्तर पर कोई बड़ी प्रतिक्रिया नहीं देखने को मिली। ब्रिटेन द्वारा टीके को दी गई मंजूरी ने जहां अमेरिकी नियामकों को अपने यहां इसकी मंजूरी में हो रही देरी को लेकर बचाव की मुद्रा में ला दिया है, वहीं यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि जब इस महामारी से हर रोज हजारों की संख्या में लोग मौत के मुंह में जा रहे हैं तो फिर प्रक्रियागत लेटलतीफी को किस हद तक बर्दाश्त किया जा सकता है। बहरहाल, अमेरिका में भी मंजूरी की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस बीच इंडोनेशिया ने चीनी कंपनी साइनोवैक बायोटेक लिमिटेड की वैक्सीन के 12 लाख डोज

हासिल कर लिए हैं और वहां भी टीकाकरण अभियान शुरू हो चुका है। भारत की जहां तक बात है तो तीन कंपनियों के टीकों पर विचार-विमर्श अंतिम दौर में है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, भारत बायोटेक और फाइजर- इन तीनों कंपनियों द्वारा आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी के लिए किए गए अनुरोध पर एक्सपर्ट पैनल बुधवार को फैसला करने वाला है। निश्चित रूप से टीके की क्षमता, इसके संभावित साइड इफेक्ट और कीमत के अलावा इसे दूर-दराज के इलाकों में पहुंचाने और खराब होने से बचाने के लिए जरूरी उपायों की उपलब्धता जैसे तमाम अलग-अलग पहलुओं पर विचार करने के बाद ही यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अपने देश के लिए कौन सा टीका सबसे उपयुक्त होगा। लेकिन स्थिति की गंभीरता को ध्यान में रखें तो जैसा कि कई अन्य देशों का उदाहरण बता रहा है, किसी एक ही टीके पर निर्भरता के बजाय पर्याप्त सावधानी के साथ अलग-अलग टीकों को आजमाना बेहतर विकल्प हो सकता है। जैसा कि प्लाज्मा थेरपी का अनुभव बताता है, कुछ मरीजों पर यह असरदार साबित हुई और कुछ पर नहीं हुई, लेकिन कई मरीजों को मौत के मुंह से निकालने का चमत्कार इसने जरूर किया। टीके का भी अलग-अलग शरीरों पर अलग-अलग असर देखने को मिल सकता है। हालांकि वैक्सीन कोई दवा नहीं है, पर एंटीबॉडीज के विकास के जरिये यह गंभीर मरीजों की जान बचाने में भी कारगर हो सकता है। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि अपने देश में इनके कम से कम आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी तत्काल देकर सरकार कुछ बेशकीमती जिंदगियां बचाने में अपनी भूमिका निभाएगी।

किसान आंदोलन: आश्वासन और भरोसे के बीच चौड़ी होती खाई

जिगर डी वाढेर

तमाम लिखित-अलिखित सरकारी आश्वासनों के बीच पिछले 15 दिनों से जारी किसान आंदोलन छठे दौर की वार्ता के बाद भी मंद पड़ता नहीं दिख रहा है। शुरू में किसान-संगठनों ने सरकार के दावों के जवाब में इतनी ही मांग रखी थी कि वह अगर सचमुच न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को समाप्त नहीं करना चाहती है, तो बस कानून में एक पैरा जोड़ दे कि एमएसपी के नीचे कोई खरीद नहीं होगी। सरकार ने वादे और दावे तो इस बीच बहुत किए, लेकिन एमएसपी को कानून से जोड़ने को तैयार नहीं हुई। अब आर-पार के मूड में दिख रहे किसान-नेताओं ने साफ कह दिया है कि सरकार इन तीन कानूनों को वापस नहीं लेती है, तो देश-भर में हाईवे जाम किया जाएगा।

सहयोगी दलों का सवाल

एक तरफ उनका दावा है कि किसी राजनीतिक पार्टी को मंच पर नहीं आने दिया जाएगा, दूसरी तरफ आंदोलन में खालिस्तान समर्थकों के घुस आने की बात कही जा रही है। केंद्रीय खाद्य-आपूर्ति मंत्री तक ने आंदोलन के पीछे चीन और पाकिस्तान का हाथ होने की बात कह दी। हालांकि तथ्य यह है कि किसानों की लामबंदी अब तक अहिंसात्मक और शांतिपूर्ण रही है।

कृषि सुधार के लिए लाए गए इन तीन कानूनों के विरोध में जब शिरोमणि अकाली दल एनडीए से बाहर हो गया, तभी लग गया था कि पंजाब और हरियाणा के किसान इन कानूनों को आसानी से स्वीकार नहीं करेंगे। सवाल उठने लगा कि ये कानून अगर इतने ही किसान हितैषी हैं, तो बीजेपी आखिर अपने सहयोगी दल को यह बात क्यों नहीं समझा सकी। अब हरियाणा सरकार में सहयोगी जेजेपी के भी किसानों के समर्थन में आ जाने से बीजेपी इस मुद्दे पर घिरती हुई दिख रही है।

विपक्ष का कहना है कि एमएसपी और सबसिडी कम करना अंतरराष्ट्रीय और मुख्यतः विश्व व्यापार संगठन के दबाव का परिणाम है। प्रश्न उठता है कि क्या सचमुच भारत में अधिक सब्सिडी दी जा रही है? विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुसार उत्पादन मूल्य के 10 प्रतिशत से अधिक सब्सिडी नहीं दी जा सकती। अमेरिका कहता है कि भारत में उत्पादन लागत कम है और 60 से 70 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। आंकड़ों पर गौर करें तो भारत के हर किसान को बिजली, पानी, खाद-बीज आदि के लिए सालाना औसतन 15 हजार 674 रुपये दिए जाते हैं, जबकि चीन का औसत 59 हजार 605 रुपये और अमेरिका का औसत 41 लाख

80 हजार रुपये है। स्पष्ट है कि भारत की तुलना में अमेरिका अपने किसानों को 267 गुना ज्यादा सब्सिडी देता है।

विकसित देश चाहते हैं कि भारत किसानों से एमएसपी पर अनाज खरीदना बंद करे और सरकारी राशन दुकानों की व्यवस्था हटाकर इसके एवज में 'राष्ट्रीय-खाद्य-सुरक्षा-कानून' के हक-धारकों को हर महीने निश्चित नकद राशि हस्तांतरित करे। इस नकद राशि के लाभार्थी मुक्त बाजार से जो चाहें, खरीदें। माना जा रहा है कि मोदी सरकार इस दिशा में कदम आगे बढ़ा चुकी है। खुले बाजार की इस व्यवस्था के लागू होने से क्या होगा? जैसा कि विगत वर्षों में चंडीगढ़ और पुडुचेरी में हुआ है, अगर भारत सरकार पूरे देश में किसानों से लोक भंडारण के लिए अनाज खरीदना और उसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों से वितरण करना बंद कर दे, तो देश भर में खाद्य-सुरक्षा निजी हाथों में चली जाएगी। जानकार मानते हैं कि इसका नकारात्मक असर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ेगा क्योंकि खाद्य-सामग्री की कीमतों पर सरकार का नियंत्रण बिल्कुल नहीं रह जाएगा।

तथ्यात्मक रूप से देखें तो अभी 23 फसलों पर एमएसपी है। इसमें भी मात्र 15 प्रतिशत धान ही एमएसपी के तहत खरीदा जाता है। हां, पंजाब और हरियाणा दो ऐसे राज्य हैं जहां 90 प्रतिशत चावल और गेहूं सरकार खरीदती है और यही कारण है कि सबसे पहले यहीं के किसान लामबंद हुए हैं।

उन्हें लगता है कि इन तीन कानूनों से वर्तमान मंडी व्यवस्था भी समाप्तप्राय हो जाएगी। सरकार लाख कहे कि ऐसा नहीं होगा, वे मानने को तैयार नहीं हैं। सरकार भरोसा दिला रही है कि किसान पूरे भारत में कहीं भी अपना सामान बेच सकते हैं, जबकि किसान संगठनों का कहना है कि इसका कोई विशेष मतलब नहीं है। देश के एक औसत किसान के पास 1.8 हेक्टेयर जमीन ही है। ऐसे में कैसे संभव है कि अपने उत्पाद को लेकर कोई सामान्य किसान राज्य क्या जिले के भी बाहर जा सके? यह ऐसा ही है जैसे कोई इस तर्क पर सरकारी नौकरी को खारिज करे कि निजी नौकरी में कोई बंधन नहीं है, पूरे भारत में आप जहां चाहें अपनी प्रतिभा के आधार पर उचित नौकरी पा सकते हैं।

कुल मिलाकर किसानों की मांग अपनी जगह है और सरकारी वादे अपनी जगह। आज तक किसी भी सरकार ने एमएसपी को कानूनी दर्जा नहीं दिया है। ऐसे में इसकी उम्मीद करना अति आशावादिता कही जाएगी। लेकिन अन्य उपायों से सरकार किसानों को संतुष्ट करने का प्रयास अवश्य करेगी क्योंकि कोई भी सरकार देश की 52 फीसदी आबादी को निराश करने का जोखिम नहीं उठाना चाहेगी।

अगले दौर पर नजर

किसान मांग कर रहे हैं कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली बंद न हो। सरकार इसे आसानी से मान लेगी। ईंधन पर लगने वाला टैक्स कम करने पर भी सरकार विचार कर सकती है। पराली जलाने और स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों को लागू करने जैसे मामलों में भी किसान संगठन की मांगों पर सरकार पॉजिटिव रुख दिखा सकती है। अभी इस किसान आंदोलन को जिस तरह का समर्थन मिल रहा है, उससे सरकार दबाव में है। किसानों की नब्ज थामे बिना सरकार ने एक ऐसा अग्रगामी कदम उठाया है जो उसे भारी पड़ रहा है। आशा है, अगले दौर की वार्ता में कोई सार्थक हल निकल आएगा क्योंकि न तो सरकार चाहेगी कि अन्नदाता ज्यादा समय सड़कों पर रहें, न ही किसानों के हक में है कि वे घर-द्वार, खेती-बाड़ी छोड़कर दिल्ली की सर्दी में लंबे समय तक खुले में बैठे रहें।

यहां गहरी हैं रक्तपात की जड़ें

भूपेन्द्र पटेल

आप अपनी गाढ़ी कमाई से जमीन खरीदते हैं, ईंट, रेत, सीमेंट, बजरी का इंतजाम करते हैं, लेकिन जैसे ही घर बनाना शुरू करते हैं, कोई वसूली करने आ पहुंचे, तो कैसा लगेगा? यह पश्चिम बंगाल की वह डरावनी हकीकत है, जिससे लोग अक्सर जूझते हैं। वसूली के इस धंधे को यहां 'कटमनी' के नाम से जाना जाता है। यह बंगाल की सियासत में पूरी तरह से रच-बस चुका है, और यहां के राजनीतिक खून-खराबे की जड़ें भी कमोबेश इसी वसूली के धंधे से पोषित होती रही हैं।

यह रक्तरंजित राजनीति फिर चर्चा में है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के काफिले पर पथराव हुआ है। यह हमला उस समय हुआ, जब नड्डा तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के संसदीय क्षेत्र डायमंड हार्बर में भाजपा के एक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे।

भाजपा के केंद्रीय कमान ने जहां इस हमले पर चिंता जताई है, तो वहीं पश्चिम बंगाल की मुखिया इसे भाजपा का सियासी ड्रामा बता रही हैं। विवाद बढ़ चुका है, राज्यपाल सक्रिय हैं और केंद्रीय गृह मंत्रालय भी आधिकारिक रूप से जवाब-तलब में लग गया है।

दरअसल, बंगाल में राजनीति का चरित्र ही रक्त-पिपासू हो चुका है। सन 1997 में वामपंथी सरकार में गृह मंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने विधानसभा में बताया था कि वर्ष 1977 से 1996 तक बंगाल में 28,000 लोग राजनीतिक हिंसा में मारे गए थे। यहां हिंसा की जड़ें आधी सदी पुरानी हैं। 1962 से 1971 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल में रहे सिद्धार्थ शंकर रे को 1972 में इंदिरा गांधी ने बंगाल की कमान सौंपी थी। उस वक्त प्रदेश की नक्सलबाड़ी से उठा नक्सली आंदोलन उग्र हो रहा था। मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे पर नक्सली आंदोलन को कुचलने के लिए नरसंहार के आरोप लगे, पर वे आरोप कभी साबित नहीं किए जा सके। नक्सलवाद की आड़ में अपने सियासी विरोधियों का भी बड़े पैमाने पर सफाया किया गया।

इस सियासी आतंक का अंत करने के लिए बंगाल की जनता ने सन 1977 में वामपंथियों को शासन सौंपा। उम्मीद थी, खून सनी राजनीति पर विराम लगेगा, लेकिन वह आशा पूरी नहीं हुई। अगले 34 साल वामपंथी सत्ता में रहे, लेकिन उस दौर में 'सियासी दलों द्वारा पोषित अपराधी तत्व' और ताकतवर बेखौफ हो गए। इसका सबसे बड़ा गवाह बना 21 जुलाई, 1993 का सियासी हत्याकांड, जिसमें वामपंथी सरकार ने युवा कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ममता बनर्जी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गोलियां चलवा दीं, जिसमें 13 कार्यकर्ता मारे गए थे। ममता बनर्जी आज भी उस दुखद घटना की याद में 21 जुलाई को हर साल शहीदी दिवस मनाती हैं।

वक्त गुजरता रहा और सत्ता के लिए खून बहता रहा। ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। जनता ने इस नई पार्टी से उम्मीद लगाई और वर्ष 2011 में वामपंथियों के साढ़े तीन दशक पुराने राज का तख्ता पलट दिया। पर अफसोस, खूनी सियासत रुकी नहीं। भाजपा के तमाम नेता आरोप लगाते रहे हैं कि पिछले वर्षों में उसके 119 कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है।

आखिर इतनी गहरी कैसे हो गई बंगाल की राजनीति में हिंसा की जड़ें? बाहर से देखने पर लगता है कि खून केवल सत्ता में बने रहने के लिए बहाया जा रहा है, लेकिन असल मामला इतना सीधा नहीं है।

सन 1977 में सत्ता में आए वाम दलों ने अपनी जड़ें मजबूत करने के लिए रेजिमेंट काडर बेस बनाया। बड़े जमींदारों से जमीनें छीनकर गरीबों में बांटने के कारण गरीबों में वामपंथी सरकार की गहरी पैठ हो चुकी थी। ये लोग तेजी से काडर में बदलते चले गए, गांव-गांव, गली-गली तक फैल गए। पर बिना लालच, बिना स्वार्थ भला कोई पार्टी की सेवा कब तक करता? अनधिकृत रूप से इसका रास्ता निकाला गया। तय किया गया कि किसी भी व्यक्ति का कोई काम काडर के ठप्पे के बिना नहीं होगा। वहीं से शुरू हुआ अवैध वसूली का वह धंधा, जिसे आज 'कटमनी' के नाम से जाना जाता है। जब बंगाल की प्रबुद्ध मानी जाने वाली जनता ने ममता बनर्जी को सत्ता सौंप दी, तब वामपंथी कार्यकर्ता क्या करते? उन्होंने 'हृदय परिवर्तन' किया और अपने ऑफिसों पर लगे वाम झंडे को उतारकर तृणमूल कांग्रेस के झंडे लहरा दिए। मतलब, लोग वही रहे, बस झंडे बदल गए। जब लोग ही नहीं बदले, तब उनकी आदतें क्यों बदलतीं? नतीजा सामने है। आज भी कभी पूजा चंदे के नाम पर, कभी सिक्योरिटी मनी के नाम पर, तो कभी घर बनाने, दुकान खोलने देने की 'कृपा' के बदले वसूली जारी है। पढ़े-लिखे ज्यादातर बंगाली नौजवान रोजगार की तलाश में बंगाल से बाहर निकल जाते हैं, जो बच जाते हैं, उनमें से अनेक की कमाई का सबसे बड़ा जरिया यह अवैध वसूली ही है।

सीधा सा अर्थ है, अगर गांव में भी 'पावर' दूसरों के पास चली गई, तो बहुतों के हाथ से उनका धंधा निकल जाएगा। इसी कारण, विपक्षियों को मैदान में उतरने से पहले ही रोकने की कोशिश होती है। पंचायत चुनावों 58 हजार में से 6,000 सीटें तो तृणमूल इसीलिए जीत गई थी कि उसके सामने 'किसी ने नामांकन ही नहीं किया'। बाकी प्रत्याशियों का भी नामांकन कराने के लिए देश में पहली बार ऑनलाइन नामांकन करवाना पड़ा था। अगर गांव के स्तर पर यह हाल है, तो समझा जा सकता है कि पद-पावर जितने बड़े होंगे, लड़ाई भी उतनी बड़ी होती जाएगी। इस आग में घी का काम कर रही है सांप्रदायिक राजनीति। कोई पार्टी यहां हिंदुओं को डर दिखा रही है, तो कोई मुसलमानों को साधने में लगी है। मतलब, बंगाल में सियासी हिंसा अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है। पहले पंचायत चुनाव, उसके बाद पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव और अब विधानसभा चुनाव से पहले हो रही हिंसा संकेत दे रही है कि सत्ताधारी तृणमूल के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं को भी डर सताने लगा है कि कहीं सत्ता हाथ से न निकल जाए। तृणमूल के नेताओं का पार्टी छोड़ना भी कुछ ऐसे ही संकेत दे रहा है।

ऐसे में, सवाल यह है कि हिंसा रुके कैसे? बंगाल में भी पुलिस अन्य राज्यों की तरह सत्ता की भाषा ही बोलती है। नड्डा के काफिले पर हमले को भी वह स्वीकार नहीं कर रही। जब तक पुलिस निष्पक्ष न हो, पार्टी देखे बिना हिंसा फैलाने वालों पर कार्रवाई न हो, तब तक बंगाल में हिंसा मुक्त राजनीति मुंगेरीलाल के सपनों जैसी रहेगी।

बढ़ रहे हैं यात्री, लेकिन मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं नदारद

मुंबई, संक्रमण के मामले कम होने के साथ ही देशभर में कई सुविधाएं अनलॉक हुई हैं, लेकिन रेलवे पर अनेक यात्री सुविधाएं अभी तक शुरू नहीं हो सकी हैं। लंबी दूरी के स्टेशनों पर हाथ में सामान लिए यात्रियों, यहां तक कि दिव्यांगों और गर्भवती महिलाओं को भी सीढ़ियां चढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मध्य रेलवे ने कुछ छोटे उपनगरीय स्टेशनों पर एस्केलेटर्स शुरू किए हैं। 15 जून से मुंबई में उपनगरीय ट्रेनें शुरू हुई थीं। तब रोज करीब 90 हजार यात्रियों को मंजूरी मिली थी। अब मुंबई में 90 प्रतिशत सर्विस शुरू हो चुकी हैं। रोज औसतन 15 लाख यात्री सफर कर रहे हैं। इसीलिए अब रेलवे जल्द ही एस्केलेटर्स और लिफ्ट शुरू करने पर विचार कर रही है।कई स्टेशनों पर सुविधाओं की मांग

मुंबई के टर्मिनस स्टेशनों मुंबई सेंट्रल, बांद्रा, दादर, बोरीवली, वसई, सीएसएमटी, ठाणे, एलटीटी और कल्याण पर सबसे पहले यात्री सुविधाएं शुरू करने की मांग हो रही है। एनबीटी के कई पाठकों ने इस संबंध में शिकायत भी की है। एक बुजुर्ग पाठक पवन धरनीधारका ने बताया कि बोरीवली स्टेशन पर उन्हें सामान लेकर मेल ट्रेन पकड़ने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

क्यों है परेशानी

रेलवे स्टेशनों पर लिफ्ट्स और एस्केलेटर्स की देखभाल के लिए ठेके दिए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि लॉकडाउन के दौरान देखभाल करने वाले कई कर्मचारियों के जॉब चले गए थे। ठेकेदारों और रेलवे के बीच अभी भुगतान को लेकर कागजी कार्रवाई जारी है।मुंबई में सैंकड़ों एस्केलेटर्स और लिफ्ट्स को शुरू करने से पहले इनकी सर्विस की जानी है। रेलवे के मुताबिक, किसी भी तरह की अनहोनी को टालने के लिए सावधानी से कदम उठाए जा रहे हैं। सर्विस होने के बाद चरणबद्ध तरीके से इन्हें शुरू कर दिया जाएगा।

मुंबई में कोरोना के खात्मे की तैयारियां शुरू, टीकाकरण के लिए BMC का मास्टर प्लान, ब्लूप्रिंट तैयार

मुंबई, कोरोना महामारी के खात्मे के लिए वैक्सीन आने से पहले ही मुंबई में वैक्सिनेशन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बीएमसी ने टीकाकरण के लिए मास्टरप्लान तैयार कर लिया है। शुक्रवार बीएमसी की सिटी टास्क फोर्स की बैठक में इस पर चर्चा हुई। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि शुरू में मुंबई में आठ स्थानों पर वैक्सिनेशन की सुविधा होगी। यह प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा के बीच की जाएगी। वैक्सीन लगवाने के बाद हरेक को 30 मिनट तक वहां रुकना होगा। वैक्सिनेशन के दौरान निजी कंपनियों की मदद नहीं ली जाएगी। वैक्सिनेशन की प्रक्रिया के पहले दो चरण भंडारण और परिवहन के होंगे। फिर तीन चरणों में टीके लगाए जाएंगे। इसके तहत कुल 500 टीमें टीके लगाएंगी। हर टीम में 5 कर्मचारी होंगे। 21 से 28 दिनों के अंतराल पर दो खुराक लगेंगे। वैक्सीन 2 स्थानों पर स्टॉक की जाएंगी। 8 अस्पतालों में यह वैक्सीन दी जाएगी।

पहला चरण: 1.25 लाख सार्वजनिक और प्राइवेट स्वास्थ्य कर्मचारियों को टीका, 10 से 15 दिन लगेंगे।

दूसरा चरण: 6 लाख फ्रंटलाइन स्टाफ (पुलिस, बेस्ट-एसटी कर्मचारी, सेमी मेडिकल स्टाफ, बीएमसी और सफाईकर्मी।

तीसरा चरण: 50 वर्ष से अधिक आयु के नागरिक, अस्थमा, मधुमेह, हृदयरोग और अन्य पुरानी बीमारियों के मरीज।

अभी नहीं खुलेंगे पुणे के स्कूल, 3 जनवरी तक रहेंगे बंद, Covid-19 के तहत फैसला

पुणे, Covid-19 संक्रमण के मामलों को नियंत्रण में आते देखकर देश में कई राज्य सरकारें स्कूलों को फिर से खोलने पर विचार कर रही हैं। महाराष्ट्र के पुणे में सभी स्कूल 3 जनवरी तक बंद रहेंगे। पुणे शहर नगर निगम ने अपने दायरे में आने वाले स्कूलों के खुलने को टाल दिया है। वहीं उत्तराखंड में कॉलेज 15 दिसंबर से फिर से खुलेंगे। राज्य सरकार कैबिनेट की तरफ से उच्च शिक्षा संस्थानों को ऑफलाइन क्लास शुरू करने को लेकर मिले निर्देश के बाद पढ़ाई शुरू होगी। हालांकि स्टूडेंट्स को पैरेंट्स की तरफ से परिशन लेटर के साथ ही RT-PCR टेस्ट भी कराना होगा। महाराष्ट्र, हरियाणा, त्रिपुरा, उत्तराखंड, बिहार जैसे राज्यों में स्कूल या तो खुल चुके हैं या इस महीने खुलने जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर उन शहरों में जहां पर कोविड का प्रकोप उतना नहीं है, स्कूल खुल रहे हैं। पटना, कोलकाता समेत देश के कई शहरों में फिलहाल ऐसी ही व्यवस्था है। शिक्षाविदों और पेरेंट्स की तरफ से भी अब स्कूल खोलने का दबाव बन रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर होगा 'महाराष्ट्र पैटर्न', शरद पवार के पास होगी यूपीए की बागडोर!

मुंबई, केंद्र सरकार के कृषि कानून के विरोध में देशभर के किसानों के साथ विपक्ष एकजुट हो गया है। इसी बीच राष्ट्रीय स्तर पर महाराष्ट्र पैटर्न लागू करने की तैयारी शुरू है, जिसमें यूपीए के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी राकांपा अध्यक्ष शरद पवार को सौंपे जाने की संभावना जताई जा रही है।

महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा एवं कांग्रेस इन तीन दलों की महाविकास आघाड़ी सरकार स्थापित करने में शरद पवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके चलते केंद्रीय राजनीति में भी पवार को नेतृत्व में भाजपा को चुनौती देने का प्रयास यूपीए के घटक दलों का है। इसलिए भाजपा विरोधी आघाड़ी को मजबूत करने के लिए यूपीए के अध्यक्ष पद पर शरद पवार के नाम का विचार किया जा रहा है। 'राष्ट्रीय स्तर पर आज के विरोधियों को एकजुट करना जरूरी है और मैं उसी दिशा में काम कर रहा हूं', ऐसा शरद पवार ने पहले ही कहा था। वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों में भाजपा के बढ़े हुए वर्चस्व और यूपीए की कम हुई आक्रामकता को ध्यान में रखते हुए पवार को नेतृत्व सौंपने का आग्रह घटक दलों द्वारा किया जा रहा है।

बीजेपी को झटका देने की तैयारी में एकनाथ खडसे, समर्थक विधायक के पोस्टर से बीजेपी गायब

मुंबई, पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर मनमानी करने का आरोप लगाकर बीजेपी से रुखसत हो चुके वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे अब पार्टी को झटका देने की तैयारी कर रहे हैं। उनके समर्थक विधायक संजय सावकरे के जन्मदिन के बैनर-पोस्टरों से बीजेपी के चुनाव चिन्ह और बीजेपी नेताओं का फोटो गायब है। इसे एक संकेत माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में सावकरे बीजेपी को अलविदा कह सकते हैं। एकनाथ खडसे ने बीजेपी छोड़कर एनसीपी का दामन थाम लिया है। एनसीपी में शामिल होने के साथ ही खडसे ने कहा था कि उनके संपर्क में उत्तर महाराष्ट्र के कई नेता हैं, जो बीजेपी में खुश नहीं हैं। ऐसे में, वह भी भविष्य में एनसीपी में शामिल हो सकते हैं। इसी कड़ी में भुसावल के बीजेपी विधायक संजय सावकारे का नाम जुड़ता दिख रहा है।

संजय सावकारे ने अपने पोस्टर में बीजेपी नेताओं की बजाय एकनाथ खडसे की फोटो लगाई है। इस पोस्टर के बाद से उत्तर महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आ गया है।संजय सावकारे को एकनाथ खडसे का समर्थक माना जाता है।

हालांकि, संजय सावकरे मूलतः एनसीपी के ही हैं। जब खडसे बीजेपी में थे, तो वह उन्हें एनसीपी से तोड़कर बीजेपी में लाए थे।

उसके बाद ही हमेशा एनसीपी के कब्जे में रहने वाली भुसावल विधानसभा की सीट बीजेपी के खाते में चली गई थी।

कोरोना वैक्सीन आने से पहले ही लगने लगा VIP कोटा, स्वास्थ्य मंत्री ने दी सफाई- सब एक समान

पुणे, कोरोना वैक्सीन अभी आई भी नहीं और इसके लिए खींचतान अभी से शुरू हो गई है। महाराष्ट्र के कई बड़े पुलिस अधिकारी और नेता वैक्सीन सबसे पहले लगवाने का जुगाड़ लगा रहे हैं। इन शिकायतों के बाद महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने सफाई दी है राज्य में किसी भी नेता, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन लगाने में प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री को यह सफाई उन शिकायतों के बाद देनी पड़ी है, जिसके मुताबिक राज्य के कई बड़े पुलिस अधिकारी और नेता वैक्सीन सबसे पहले लगवाने की कोशिश में हैं। मंत्री ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, 'अभी मुझे ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है, लेकिन मैंने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसी किसी भी हालत में वे सीधे मुझसे संपर्क करें।' फ्रंटलाइन वर्कर्स को दी जाएगी प्राथमिकता मंत्री राजेश टोपे ने कहा, 'सरकार फ्रंटलाइन वर्कर्स की लिस्ट तैयार कर रही है और सबसे पहले वैक्सीन का टीका उन्हें ही लगाया जाएगा। फाइनल लिस्ट अगले हफ्ते के अंत तक तैयार हो जाएगी।' पुणे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ नेता लगातार वैक्सीन ट्रायल के अपडेट्स के लिए संपर्क में थे, मगर किसी ने इन ट्रायल में हिस्सा लेने की इच्छा नहीं जताई।

ड्रग्स बेचने के लिए विदेशियों ने सीखी हिंदी, डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की MD जब्त

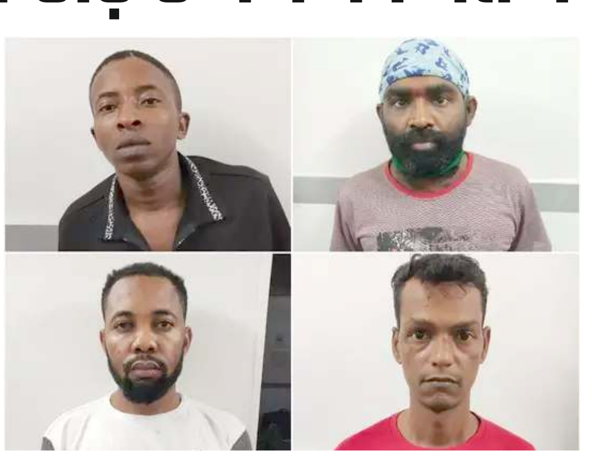

मुंबई, ड्रग्स का मुंबई में बड़ा कारोबार है। इस कारोबार में ज्यादातर सप्लायर विदेशी हैं। सप्लायर का कारोबार तभी फैल सकता है, जब तमाम पेडलर्स उससे ड्रग्स खरीदें। इन पेडलर्स में ज्यादातर को अंग्रेजी नहीं आती, इसलिए खुद विदेशी सप्लायर्स ने हिंदी सीखनी शुरू कर दी है। यह जानकारी मुंबई पुलिस को तब मिली, जब डीसीपी अकबर पठान और सीनियर इंस्पेक्टर सुनील माने की टीम ने फ्लूगेंस उर्फ मुस्तफा अका और जर्मन जेरी नामक दो विदेशियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से करीब डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की एमडी ड्रग जब्त की गई। डीसीपी पठान के अनुसार, यह दोनों आयव्हरी कोस्टा के नागरिक हैं। यह दोनों मुंबई में रह रहे सनी साहू और दीनानाथ चव्हाण के जरिए ड्रग्स का धंधा कर रहे थे।

क्राइम ब्रांच सूत्रों का कहना है कि ड्रग के धंधे में जुड़े कई विदेशी भारत आकर भारतीय लड़कियों से शादी करते हैं, ताकि उन्हें उस लड़की के नाम से किराए का घर मिल सके। मोबाइल के लिए सिम मिल सके और उनका बैंक अकाउंट भी खुल सके। इस भारतीय लड़की और उसके परिवार के लोगों के जरिए वह हिंदी भी सीख लेते हैं, ताकि पेडलर्स से वह हिंदी में बात कर सकें।

दोनों विदेशियों की खुली पोल, हिंदी सीखने की असल वजह भी बताई

फ्लूगेंस उर्फ मुस्तफा अका और जर्मन जेरी को गिरफ्तार करते वक्त क्राइम ब्रांच अधिकारी मान कर चल रहे थे कि वे सिर्फ अंग्रेजी ही जानते होंगे, हिंदी नहीं। दोनों विदेशियों ने जांच टीम के सामने ऐसा ड्रामा भी किया कि उन्हें हिंदी नहीं आती, लेकिन जब सनी साहू और दीनानाथ चव्हाण नामक भारतीयों से क्राइम ब्रांच अधिकारियों ने पूछा कि तुम दोनों कितने पढ़े हो? तो दोनों ने जब स्कूली डिग्री होने की बात की, तब जांच टीम ने पूछा कि फिर तुम फ्लूगेंस और जर्मन जेरी से किस भाषा में बात करते हो? तब दोनों ने जवाब दिया कि हिंदी में। इसके बाद दोनों विदेशियों की पोल खुली और उनके हिंदी सीखने की असल वजह भी पता चली।

2000 से 5000 रुपये प्रति ग्राम में बेचते थे कोकीन

सभी आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि वे लोग पहले कोकीन के धंधे में थे। कोकीन की दक्षिण अफ्रीका से मुंबई में सप्लाई होती थी। लेकिन बाद में उन्होंने एमडी ड्रग बनाने की तरफ फोकस किया। पहले एमडी मीरा रोड में बनती थी, लेकिन जब मीरा रोड में लोकल लोगों ने विदेशी ड्रग माफिया को खदेड़ा, तब इन आरोपियों ने पहले वसई और बाद में खुद को कभी नालासोपारा, तो कभी विरार शिफ्ट किया। फ्लूगेंस और जर्मन जेरी नामक दोनों विदेशी सनी साहू और दीनानाथ चव्हाण नामक भारतीयों को प्रति ग्राम 600 रुपये में एमडी बेचते थे। फिर यह दोनों पेडलर्स ग्राहकों को इस ड्रग को 2000 रुपये से 5000 रुपये प्रति ग्राम में बेचते थे।

दिव्यांगों के लिए लॉन्च होगा 'महाशरद' पोर्टल

मुंबई, एनसीपी प्रमुख शरद पवार के 80वें जन्मदिन पर शनिवार को दिव्यांगजन के मुफ्त में सहायता उपकरण मुहैया कराने लिए ऑनलाइन मंच 'महाशरद' की शुरुआत की जाएगी। राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री धनंजय मुंडे ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पोर्टल की शुरुआत शनिवार को की जाएगी, जबकि मोबाइल ऐप संस्करण को अगले साल मार्च के आखिर तक लांच किया जाएगा। मुंडे ने कहा कि उनके विभाग का लक्ष्य 'महाराष्ट्र स्वास्थ्य एवं पुनर्वास सहायता प्रणाली' या महाशरद के जरिए राज्य के 29 लाख दिव्यांगजन की मदद करना है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक उपकरण, दिव्यांगों के लिए मददगार उपकरण उनके सामान्य जीवन व्यतीत करने में बहुत महत्वपूर्व हैं।

ब्रेल किट, सुनने की मशीन, कृत्रिम अंग और बैटरी चालित व्हील चेयर बाजार में उपलब्ध हैं, लेकिन हर कोई उन्हें खरीद नहीं सकता।

कई व्यक्ति, संगठन, निजी कंपनी, उद्योगपति और अन्य, दिव्यांगों के लिए उपकरण मुहैया कराने को इच्छुक हैं। महाशरद मंच ऐसे दानकर्ताओं को जरूरतमंद दिव्यांगों तक पहुंचने में मदद करेगा। जिनको इन उपकरणों की जरूरत है, वे शनिवार से पंजीकरण करा सकते हैं।

पेट्रोल, डीजल के दाम में लगी आग, शिवसैनिकों का यलगार!

मुंबई, घाटकोपर में शिवसैनिकों ने कल पेट्रोल, डीजल के दाम में हुई वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन किया। इस आंदोलन में शामिल शिवसैनिकों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाकर अपना विरोध जताया है। खामियाजा भुगत रही आम जनता

गौरतलब है कि केंद्र सरकार लगातार घोषणा करके पेट्रोल, डीजल के दाम में वृद्धि कर रही है। जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है। इसी को लेकर कल घाटकोपर में विभाग क्रमांक ८ के विभाग प्रमुख राजेंद्र राउत व महिला विभाग संगठिका डॉ. भारती बावदाने के नेतृत्व में यहां के शिवसैनिकों ने जोरदार आंदोलन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान उपविभाग प्रमुख चंद्रपाल चंदेलिया, संजय दरेकर, सुनील मोरे, विलास पवार, विजय पडवल, उपविभाग संगठिका प्रीति जाधव, सुरेखा घुगे, संजना सारंग, कमल चिंचपुरे, सुनंदा तलेकर, प्रभाग समिति अध्यक्ष स्नेहल मोरे, नगरसेवक परमेश्वर कदम, सुरेश पाटील, नगरसेविका रुपाली आवले, अश्विनी दीपक हांडे, पूर्व नगरसेवक सुरेश आवले, युवासेना के रवि शेनॉय, अभिषेक मोरे, चैतन्य राजेन्द्र राउत, भाविसे-युवासेना के लालजी निषाद सहित सभी शाखा प्रमुख, महिला शाखा संगठिका व भारी संख्या में शिवसैनिक उपस्थित थे।

लालबाग में आंदोलन

लालबाग में सड़क पर गैस सिलिंडर रखकर महापौर किशोरी पेडणेकर के नेतृत्व में आंदोलन किया गया। इस आंदोलन में महिला शिवसैनिकों ने अपने घरों से गैस सिलिंडर लेकर सड़क पर आईं और सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। दक्षिण मुंबई में कुछ समय के लिए यातायात जाम हो गया था, क्योंकि आक्रामक महिला शिवसैनिकों ने सड़क पर जाम लगा दिया। इस दौरान आशीष चेंबूरकर, विधायक अजय चौधरी, यामिनी जाधव, नगरसेविका श्रद्धा जाधव, पूर्व विधायक सचिन अहीर, दगडू सकपाल, उप मंडल प्रमुख गजानन चव्हाण, बबन गावकर, सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक शामिल हुए। इसी प्रकार कुर्ला, कलीना, मालड, गोरेगांव, बोरिवली, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल आदि जगहों पर शिवसैनिकों ने आंदोलन किए।

दाऊद के पास अब नहीं रहा 'STD', पुलिस प्रेस कॉन्फ्रेंस में छोटा शकील को उसके जरिए करवाना था शूटआउट

मुंबई, ढाई दशक पहले जब मुंबई में अंडरवर्ल्ड की दहशत अपने चरम पर थी, तब छोटा शकील डी कंपनी के एक पंटर को पत्रकार के रूप में मुंबई पुलिस मुख्यालय भेजा करता था। अंडरवर्ल्ड में उसे STD के नाम से जाना जाता है। मंगलवार रात को उसकी दक्षिण मुंबई के अपने घर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

इस पंटर का नाम STD इसलिए पड़ा, क्योंकि वह STD बूथ से दाऊद को मुंबई की हर खबर देता था। उन दिनों अंडरवर्ल्ड में मोबाइल कॉलिंग का प्रचलन शुरू नहीं हुआ था। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि इस STD की मां दाऊद की बहनों को कुरान भी पढ़ाती थी। छोटे अखबार का ले रखा था आईकार्ड इन सूत्रों के अनुसार 'दाऊद के STD' ने मुंबई के एक छोटे अखबार का आईकार्ड ले रखा था। पत्रकार को किसी संस्थान में नौकरी करने की सैलरी मिलती थी, लेकिन 'दाऊद के STD' का दावा था कि आईकार्ड देने वाले संपादक को ही वह हर महीने 25 हजार रुपये सैलरी दिया करता था। उसके दावे को पुलिस ऐविडेंस नहीं बना पाई थी। 'STD' उस दौर में पुलिस मुख्यालय आने वाले तमाम पत्रकारों को प्रेस रूम के बाहर चाय का ऑफर भी जरूर देता था, ताकि सबसे उसकी दोस्ती रहे और फिर इन पत्रकारों के जरिए उसे टॉप पुलिस अधिकारियों के डी कंपनी के खिलाफ किए जाने वाले संभावित ऑपरेशन की खबर मिलती रहे।

एक सिपाही को शक हुआ, फिर... हालांकि कोई भी पत्रकार उसकी साजिश को समझ नहीं पाया। लेकिन उन दिनों पुलिस प्रेस रूम में बैठनेवाले एक सिपाही को शक हुआ। फिर उसके मूवमेंट्स पर नजर रखी गई और उसे गिरफ्तार भी किया गया। कई साल तक आजाद मैदान पुलिस क्लब में जनवरी के दूसरे या तीसरे सप्ताह में पुलिस की सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस हुआ करती थी। छोटा शकील इस STD के जरिए उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में दरअसल शूटआउट करवाना चाहता था, लेकिन पुलिस प्रेस रूम में बैठने वाले सिपाही ने इस STD और शकील दोनों की साजिश को फेल कर दिया था।

बाद में पुलिस का ही खबरी बन गया

उस सिपाही को अंडरवर्ल्ड के खिलाफ एक बड़े ऑपरेशन के लिए गैलंट्री अवार्ड भी मिला था। इस STD को कुछ महीने बाद बेल मिल गई। बाद में वह पुलिस का ही खबरी बन गया था और दाऊद के लोगों की जानकारियां ही पुलिस को देने लगा था।

क्या 30 की उम्र में ही होने लगा है घुटनों और जोड़ों में दर्द? तो इन 5 कारणों को चैक कीजिए

सोनल झालावाड़िया

अभी तक घुटनों व जोडों के दर्द की समस्या को बढ़ती उम्र का संकेत समझा जाता था। पर क्या हो अगर आपकी उम्र के 30 के दशक में ही आप घुटनों के दर्द से कराहने लगें। ये असल में कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के खिलाफ आपके शरीर की पुकार हो सकती है। आइए हम बताते हैं आपको ऐसे पांच कारण जो कम उम्र में भी आपको घुटनों और जिन्हें ठीक तरह से सुधारा न गया हो, एक जोड़ से जुडी हुए टेंडोनिटिस (सूजन और जलन), साथ ही इसके अलावा कोई रोग जिसका उपचार चल रहा हो।

जोड़ों में दर्द की समस्या दे सकते हैं।

क्या हैं घुटनों व जोडों में दर्द के कारण

घुटनों व जोड़ों के दर्द के पीछे चोट लगना या कोई चिकित्सीय कारण भी हो सकता है। जैसे- अति संवेदनशीलता, तनाव या जोड़ो पर सीधा आघात (जैसे. बार-बार घुटने टेकना), फ्रैक्चर्स

ये हो सकते हैं गंभीर बीमारियों के संकेत

गठिया की समस्या होना

गठिया की समस्या होने पर आपके घुटनों व जोडों में सूजन दिखाई देने लगती है। इस सूजन के कारण आपके घुटने और जोड़ों में दर्द, अकड़न की समस्या होती है, साथ ही फुलाव भी आता है। इस समस्या के ज्यादा बढ़ने पर आपको चलने-फिरने या हिलने-डुलने में भी परेशानी होती है।

शरीर में पोषण की कमी होना

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपने खानपान पर अधिक ध्यान नहीं दे पाते। जिसके चलते हमारे शरीर में कई जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। शरीर में विटामिन-सी, विटामिन डी और कैल्शियम की कमी होना घुटनों और जोडों में दर्द का मुख्य कारण है। समय रहते इस पर ध्यान न देने पर यह समस्या काफी बढ़ सकती है।

जोड़ों के बीच ग्रीस खत्म होना

घुटनों में और जोड़ों में दर्द का एक कारण जोड़ों के बीच ग्रीस का खत्म होना भी है। जोडों के बीच का ग्रीस जोडों की कार्य क्षमता को बनाए रखने का काम करती है। लेकिन जब ये ग्रीस जोडों के बीच से खत्म होने लगती है, तो ऐसे में यह यह जोड़ों का दर्द जैसी समस्याओं का कारण बनती है।

शरीर का वजन बढ़ना

शरीर का वजन बढ़ना भी आपके घुटनों व जोडों के लिए नुकसानदायक है। जब शरीर का वज़न ज़्यादा होता है तो उसका पूरा भार पैरों पर आ जाता है। पैरों पर शरीर का पूरा भार आ जाने की वजह से घुटनों में दर्द की शिकायत होने लगती है। ऐसे में अगर आप मोटापे की शिकार हैं तो आपके शरीर का वज़न आपके घुटनों व जोड़ों का दुश्मन बन सकता है।

संक्रमण से पीड़ित होना

अगर आप टीबी और बैक्टीरियल इंफेक्शन जैसी समस्याओं से पीड़ित हैं, तो यह घुटने और जोड़ों के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता है। यह आपके घुटनों को क्षति पहुंचा सकता है। जिसके कारण आपके घुटनों में असहनीय दर्द, सूजन और अकड़न की समस्या हो सकती है। इससे आपका चलना-फिरना भी काफी मुश्किल हो सकता है।

इस तरह की समस्या होने पर तुरंत अपने डॉक्टर से परामर्श लें, जिससे कि वह आपकी समस्या का निदान करके आपको घुटनों व जोडों में दर्द की समस्या से राहत पाने में मदद कर सकें।

ठंड में पालक दाल खाने के ये फायदे जानकर भूल जाएंगे सूप! जानें पालक दाल बनाने की हेल्दी रेसिपी

सर्दियों में पालक सेवन के कई फायदे हैं। आयरन की कमी को दूर करने के साथ पालक में इम्युनिटी पावर को बूस्ट करने वाले विटामिन भी होते हैं। सबसे ज्यादा फायदा पालक वाली दाल खाने से होता है।

आइए, जानते हैं पालक वाली दाल खाने के फायदे और इसे बनाने का हेल्दी तरीका –

पालक के

पोषक तत्व

पालक में विटामिन A, विटामिन C, विटामिन K, मैग्नीशियम, मैगनीज और आयरन पर्याप्त मात्रा में होता हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए, तनाव को कम करने और ब्लड प्रेशर को सही बनाए रखने के लिए पालक खाना फायदेमंद होता है। खून की कमी होने पर सबसे पहले लोग पालक खाने की सलाह देते है, इससे शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है।

अरहर की दाल में मौजूद पोषक तत्व 100 ग्राम अरहर दाल में 22 ग्राम प्रोटीन, 343 कैलोरी, 17

मिलीग्राम सोडियम, 1392 मिलीग्राम पोटैशियम, 63 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 15 ग्राम फाइबर और विटामिन ए, बी12, डी और कैल्शियम की मात्रा पाई जाती है।

चने की दाल में मौजूद पोषक तत्व

चने की दाल जिंक, कैल्शियम, प्रोटीन, फोलेट आदि से भरपूर होने के कारण आपको आवश्यक और जरूरी ऊर्जा देती है। पालक वाली दाल खाने के फायदे

-पालक में विटामिन के की अच्छी मात्रा होती है। वहीं, दाल में प्रोटीन मौजूद होता है जिससे हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

-पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने के लिए भी दाल पीने की सलाह दी जाती है।

ये शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मददगार है। इसके अलावा अगर -आपको कब्ज की समस्या है, तो भी पालक वाली दाल फायदेमंद है।

-अगर आपको त्वचा से जुड़ी कोई समस्या है, तो पालक की दाल में नींबू का रस डालकर पिएं। इसे त्वचा ग्लोइंग और जवां बनी रहती है। ये बालों के लिए भी अच्छा है।

-गर्भवती महिलाओं को पालक की दाल खाने की सलाह दी जाती। पालक का जूस पीने से गर्भवती महिला के शरीर में आयरन की कमी नहीं होती है। -पालक में मौजूद कैरोटीन और क्लोरोफिल कैंसर से बचाव में सहायक हैं। इसके अलावा ये आंखों की रोशनी के लिए भी अच्छा है।

कैसे बनाएं पालक वाली दाल

आप पालक वाली दाल किसी भी दाल से बना सकते हैं लेकिन अरहर और चने की दाल मिलाकर दाल बनाने से पालक की दाल का स्वाद बढ़ जाता है। इसे बनाने के लिए कुकर में एक दो चम्मच देसी घी डालकर इसमें हींग, जीरा और मिर्च से तड़का लगा लें। इसके बाद पालक को डालकर 1

मिनट भूनें। इसके बाद दोनों दालों को कुकर में डालकर नमक, हल्दी, मिर्च, आधा चम्मच गर्म मसाला और काली मिर्च पाउडर डालकर दो-तीन सीटी लगने दें।

इसके बाद दाल में अलग से तड़का लगाकर इसे रोटी या चावल के साथ खाएं।

आप चाहें, तो इसे ऐसे भी सूप की तरह घी डालकर पी सकते हैं।

खाने-पीने की ये आदतें बनती हैं पिंपल्स की वजह, आज ही इन Eating habits को बदल दें

आपने ऐसे कई लोगों को देखा होगा, जो मुंहासों या पिम्पल की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में उनके चेहरे पर पिम्पल के निशान तक पड़ जाते हैं, अगर आपको भी ऐसी ही कोई परेशानी है, तो एक बार अपनी रोजाना की आदतों पर गौर कीजिए, कि कहीं आपकी खाने-पीने से जुड़ी आदतें, तो मुंहासों को न्यौता तो नहीं दे रही! आइए, जानते हैं, वो Eating habits जिनकी वजह से सबसे ज्यादा मुंहासे होते हैं-

पिंपल्स क्यों होते हैं

चेहरे पर पिंपल निकलने की समस्या आमतौर पर टीनएज से जोड़कर देखी जाती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इस उम्र में हमारे शरीर में तेजी से हॉर्मोनल बदलाव हो रहे होते हैं। इस कारण हॉर्मोन्स लेवल डिस्टर्ब होने हमारी स्किन पर पिंपल्स उगने लगते हैं। जो शुरुआत में किसी छोटे दाने या उभार की तरह महसूस होते हैं।

इन आदतों को बदलें

तेल-घी

रोजाना के खाने में तेल या घी की मात्रा ज्यादा लेने से भी हमेशा मुंहासों की परेशानी होती है।

डेयरी प्रॉडक्ट

डेयरी प्रॉडक्ट का अपनी डाइट में संतुलन बनाकर चलना बहुत जरुरी है, डाइट में इनकी मात्रा ज्यादा होने पर मुंहासों की समस्या सामने आती है।

नॉन वेज

नॉन वेज में प्रोटीन की मात्रा होती है लेकिन ज्यादा नॉन वेज खाने से शरीर का ताप बढ़ जाता है, जिससे पेट साफ नहीं होता और मुंहासों की समस्या आपको घेर लेती है।

तम्बाकू-सिगरेट

तम्बाकू का सीधे सेवन या सिगरेट-बीड़ी पीने से सेहत के साथ त्वचा सम्बधी कई रोग हो सकते हैं। इससे आपको बचकर रहना चाहिए।

जंक फूड

रोजाना शाम को जंक फूड खाने से न सिर्फ आपका वजन बढ़ता है बल्कि इससे आपको मुंहासों की समस्या से भी जूझना पड़ता है।

मेथी दाना करता है डायबिटीज और ब्लड शुगर को नियंत्रित, यहां जानें इसके काम करने का तरीका

वजन घटाने से लेकर त्वचा को सुंदर बनाने तक मेथी दाना का उपयोग कई तरह से किया जाता है। इस आयुर्वेदिक हर्ब का सेवन हाई ब्लड शुगर और डायबिटीज को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है। यदि आप इनमें से किसी भी बीमारी से पीड़ित हैं तो यहां जानें कि कैसे मेथीदाना का उपयोग आपके लिए मददगार साबित हो सकता है...

शुगर कम करने में मेथी का योगदान

-मेथीदाना में सॉल्यूबल फाइबर बहुत अधिक मात्रा में होता है। शरीर में पहुंचने के बाद यह सॉल्यूबल फाइबर कार्बोहाइड्रेट के अब्जॉर्वशन की प्रक्रिया का धीमा करता है। -कार्बोहाइड्रेट यानी आपने जो रोटी, चावल या दूसरे अनाज खाएं हैं, मेथीदाना शरीर के अंदर उनके अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा करता है। इससे भोजन के पाचन की प्रक्रिया के दौरान आपके रक्त के अंदर ग्लूकोज की मात्रा धीमे-धीमे मिलती है और आपके रक्त में शुगर की मात्रा नियंत्रित रहती है।

डायबिटीज में मेथी दाना का दूसरा काम

-मेथी दाना में पाए जानेवाले अमीनो एसिड्स रक्त के अंदर मौजूद शुगर को तोड़ने और उसका स्तर घटाने का काम करते हैं। इससे रक्त में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाने में मदद मिलती है और डायबिटीज नियंत्रित रहती है।

डायबिटीज में मेथी दाना का तीसरा काम

-मेथी दाना का नियमित सेवन आपके मेटाबॉलिज़म को सही रखने का काम करता है। आपको बता दें कि यदि शरीर के अंदर आपके खाए हुए भोजन के पाचन के बाद उसके अवशोषित होने और कई हिस्सों में टूटने की प्रक्रिया सही से होती है तो शुगर अपने आप नियंत्रित रहती है।

-मेथी दाना आपके शरीर की इसी चयापचय की प्रक्रिया को सही बनाए रखने का काम करता है। इससे आप चाहे टाइप-1 डायबिटीज के मरीज हों या टाइप-2 डायबिटीज के मरीज, दोनों ही स्थितियों में आपको मदद मिलती है।

कैसे करें मेथी दाना का उपयोग?

-मेथी दाना को आप दो तरीकों से नियमित उपयोग में ला सकते हैं। पहला तरीका है भोजन बनाते समय उसमें मेथी दाना का उपयोग करें। दूसरा तरीका है कि आप रात को 1 चम्मच मेथी दाना पानी में भिगोकर रख दें और अगली सुबह खाली पेट सबसे पहले इसी मेथी दाना को चबाकर खाएं। इसके बाद एक-दो घूंट पानी पी सकते हैं। बाकी जो कुछ भी खाना-पीना हो वो मेथी दाना खाने के कम से कम 30 मिनट बाद ही खाएं तो ऐसा करना आपके लिए ज्यादा लाभकारी होगा।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : पूरे हफ्ते उन चीज़ों को करने की कोशिश करें जिससे आपको शांति और और सुकून महसूस होता हो। आर्थिक मामलों के लिए समय अच्छा है, कोई बड़ी डील हासिल करने में कामयाब होंगे। रोमांस के लिए समय अच्छा रहेगा, प्रेमी या प्रेमिका से मिलना चाहते हो तो चीजें प्लान करके चलना आपके लिए बेहतर साबित होगा।

वृष : करियर के लिए समय अच्छा है, किसी प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने के लिए तरक्की मिल सकती है, सैलरी बढ़ने के योग भी हैं।
आपके द्वारा हाल ही में हासिल की गई उपयोगिता समय और पैसे दोनों की बचत वाली साबित होगी।

मिथुन : क्करियर के लिए समय अच्छा है, कार्यक्षेत्र पर किसी समस्या का व्यवहारिक समाधान आसानी से निकालकर आगे बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र पर अपने प्रतिदंवदियों को हराकर तरक्की पाने में कामयाब होंगे। किसी खूबसूरत जगह घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क : किसी अच्छे काम के लिए दिए गए दान से समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी काम को पूरा करने में परिवार का साथ और सहयोग मिलेगा जिससे आप काफी अच्छा महससू करेंगे। करियर के लिए समय अच्छा चल रहा है, सांइटिफिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी छाप छोड़ने का मौका मिल सकता है।

सिंह : परिवार के साथ कहीं घूमने जाना काफी मजेदार साबित होगा। पढ़ाई के लिए समय अच्छा चल रहा है, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों की एकाग्रता काफी मजबूत और आपकी लय इस समय काफी अच्छी है, इस समय का लाभ उठाते हुए एकाग्र होकर जमकर मेहनत करें, सफलता जरूर मिलेगी।

कन्या : व्घर परिवार पर अच्छा माहौल रहेगा, लंबे समय से बीमार चल रहे परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होगा। किसी व्यक्ति को आप काफी नापसंद करते हैं, लेकिन उसके चलते तनाव और गुस्से में आना आपके लिए ही नुकसानदेह साबित हो सकता है, इसीलिए शांत रहने की कोशिश करें। तनाव के चलते नींद ना आने की समस्या हो सकती है।

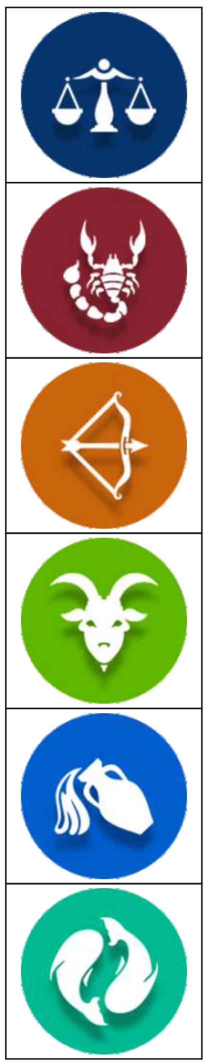

तुला : कार्यक्षेत्र पर कुछ समस्याएं हो सकती हैं, किसी सीनियर के खराब मूड के चलते उसके गुस्से का सामना करना पड़ेगा। चीजों को देर से करने से बचें वरना समस्या सकती है। आप किसी चीज को छुपा रहे है, लेकिन सच को ज्यादा दिन तक छुपाया नहीं जा सकता, आज नहीं तो कल ये सबके सामने आ ही जाएगा।

वृश्चिक : करियर के लिए यह सप्ताह काफी अच्छा रहेगा, तरक्की मिलने के योग बन रहे हैं, किसी खास प्रोफेशन से जुड़े लोगों को अच्छी खबर सुनने को मिल सकती हैं। आपको प्लानिंग करना बहुत अच्छे से आता है, यहीं प्लानिंग आगे चलकर आपको कामयाबी दिलाएगी। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा चल रहा है।

धनु : आर्थिक रूप से कुछ समस्याएं आ सकती हैं, बिना सोच-समझकर किए गए किसी निवेश के कारण नुकसान हो सकता है। घर परिवार पर माहौल गरम हो सकता है, माता-पिता को अपनी बात समझाना मुश्किल हो सकता है। झगड़े के भी योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र पर किसी जूनियर के कारण समस्या हो सकती है।

मकर : पूरा सप्ताह काफी जोश भरा रहेगा। मौसम को एंजॉय करने के लिए ड्राइविंग पर जा सकते हैं। माता-पिता का मूड अच्छा रहने के कारण घर पर खुशी का माहौल रहेगा, नए-नए आइडिया आपके दिमाग में आ सकते हैं। बजत करना चाहते हैं तो बिना सोचे समझे खरीददारी करने की अपनी आदत को बदलें, लाभ होगा।

कुंभ : करियर के लिए सप्ताह लाभ दिलाने वाला रहेगा। करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र पर शत्रुओं को आसानी से परास्त कर लेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन लाभ के योग बन रहे हैं, लोन लेने के लिए नए रास्ते खुलेंगे। किसी नई फ्रेचांइजी को लेने की सोच सकते हैं।

मीन : किसी के साथ पार्टनरशिप में नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, हालांकि ये फायदा का सौदा है लेकिन कोई भी साझेदारी करने से पहले चीजों को अच्छे से परखना आपके लिए हितकर साबित होगा। मीडिया से जुडे लोगों के यात्रा के योग बन रहे हैं, किसी असाइनमेंट पर विदेश जाना पड़ सकता है।

चुटकुले

लड़की-लड़के के पिता की बातचीत
लड़के के पिताः क्या करती है आपकी लड़की?
लड़की का पिताः ऐक्टर है टिकटॉक पर और आपका लड़का?
लड़के का पिताः सेना का जवान है पबजी में।

ट्रेन में सफर करते हुए एक आंटी ने पप्पू से पूछाः आप कहां के हैं?...
पप्पू ने कहाः मैं शादीशुदा हूं। मैं कहीं का नहीं हूं।

कई टोल प्लाजा पर किसानों का कब्जा, कुरुक्षेत्र से दिल्ली कूच कर रहे सैकड़ों किसान, आगरा-दिल्ली हाईवे को किया टोल फ्री

नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन का आज 17वां दिन है। सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान कर चुके किसान पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों ने अपने आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही पंजाब-हरियाणा समेत कई जगहों पर किसानों द्वारा टोल फ्री कराए जाने के बाद अलग-अलग राज्यों से किसानों के जत्थे दिल्ली की ओर कूच करने लगे हैं। करनाल में किसानों ने शुक्रवार देर रात से ही बस्तारा टोल प्लाजा को बंद कर दिया है। वहीं, किसानों के प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के सभी हाइवे और टोल प्लाजा पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

किसानों ने ऐलान किया था कि पूरे देश में रोज प्रदर्शन होगा। पंजाब, हरियाणा, यूपी, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 14 तारीख को धरने दिए जाएंगे, जो धरने में शामिल नहीं होगा वो दिल्ली को कूच करेगा। 12 तारीख को जयपुर-दिल्ली हाईवे रोका जाएगा और 12 तारीख को एक दिन के लिए पूरे देश के टोल प्लाजा फ्री कर दिए जाएंगे।

- जेवर : पुलिस ने किसानों जेवर टोल प्लाजा पर नहीं आने दिया। किसान नीचे सर्विस लेन से ही पुलिस के सामने अपनी मांगें रखकर वापस चले गए हैं।

- उत्तर प्रदेश : शाहजहांपुर जिले की पुवायां तहसील क्षेत्र में बंडा रोड पर सबली कटेली टोल प्लाजा पर शनिवार को भारतीय किसान यूनियन के अलग-अलग संगठनों ने एकजुट होकर कब्जा कर लिया। कब्जे के बाद किसानों ने हर आने-जाने वाले वाहन के लिए टोल फ्री कर दिया।

- गाजियाबाद के दुहाई से लेकर फरीदाबाद तक किसानों टोल प्लाजाओं पर कब्जा कर लिया है। किसान आगरा-दिल्ली हाईवे को टोल फ्री कराने के बाद वहीं पर धरना देकर बैठ गए हैं।

- गुरुग्राम : पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार हिसार के खांडा खेड़ी गांव से पांच किसानों का जत्था गुरुग्राम के खेड़की दौला टोल प्लाजा पर पहुंच गया है। पुलिस ने किसानों को आगे बढ़ने से रोक दिया है। जत्थे में शामिल किसानों ने बताया कि उन्हें गुरुग्राम के किसानों ने टोल पर आकर समर्थन देने का आश्वासन दिया था। हालांकि, इन पांच किसानों के अलावा खेड़की दौला टोल प्लाजा अभी और किसान नहीं पहुंचे हैं। पुलिस ने पांचों किसानों को हिरासत में ले लिया है।- सपा नेता नरेश उत्तम अग्रवाल ने कहा कि रोज प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री और बीजेपी के नेता किसानों की आय दोगुनी करने की बातें करते हैं, लेकिन मोदी जी ने किसानों की दुर्दशा कर दी है। किसान अपने द्वारा पैदा की गई फसल का सही दाम नहीं पा सकता तो फिर ये किस तरह का लोकतंत्र है।

- गुरुग्राम : खेड़की दौला टोल पर स्थिति फिलहाल सामान्य है। किसानों ने 11 बजे टोल पर प्रदर्शन कर टोल फ्री करने की चेतावनी दी थी, हालांकि दिल्ली जयपुर एक्सप्रेस-वे स्थित खेड़की दौला टोल प्लाजा पर स्थिति अभी तक सामान्य है। बिना रोक-टोक वाहनों की आवाजाही जारी है। शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए टोल पर भारी पुलिस बल भी तैनात है।

- दिल्ली : भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत से आज जब यह पूछा गया कि क्या 'राष्ट्र-विरोधी तत्व' आंदोलन में शामिल हो गए हैं? तो उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रतिबंधित संगठन के लोग हमारे बीच घूम रहे हैं, तो उन्हें सलाखों के पीछे डाल दें। पुलिस और खुफिया एजेंसियों को उन्हें पकड़ना चाहिए। हमें ऐसा कोई व्यक्ति यहां नहीं मिला, अगर हम ऐसा कोई मिला तो हम उन्हें वापस भेज देंगे।

- दिल्ली : कृषि कानूनों के खिलाफ गाज़ीपुर बॉर्डर पर किसान डटे हुए हैं। भारतीय किसान यूनियन से श्यामसुंदर ने बताया, "आज हमने टोल प्लाज़ा पर मुफ्त टोल किया है। सरकार बात करने के लिए तैयार हैं लेकिन कृषि कानून वापस लेने को तैयार नहीं है।

- हरियाणा : कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के मद्देनजर किसानों के टोल को बंद करने के ऐलान के बाद आज अंबाला में शंभू टोल प्लाजा को टोल फ्री कर दिया गया है। टोल प्लाजा प्रभारी रवि तिवारी ने बताया कि कल रात 12 बजे से यह टोल फ्री हो गया है। कुछ किसान आए थे और यह उनके आंदोलन के लिए किया गया है। हमें अभी तक कोई आदेश नहीं मिला है कि यह कब तक जारी रहेगा, लेकिन किसान कह रहे हैं कि यह रात 12 बजे तक मुफ्त रहेगा।

कोरोना केस 98 लाख के पार

भारत में कोरोना केस की रफ्तार थोड़ी कम हुई है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 30005 नए मामले आने के बाद कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 9826775 तक पहुंच गई है। वहीं पिछले 24 घंटे में कोरोना से 442 मरीजो की मौत हुई है जिससे कुल मौतों की संख्या 142628 तक पहुंच गई है। देश में सक्रिय मामलों की संख्या अब 359819 है और 33494 नए डिस्चार्ज के बाद कुल डिस्चार्ज की संख्या 9324328 तक पहुंच गई है। भारत में कोरोना संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या शुक्रवार को घटकर 3.63 लाख रह गई। यह एक राहत का संकेत है, चूंकि यह 146 दिनों के बाद सबसे कम संख्या है। यह कुल पुष्ट मामलों का केवल 3.71 प्रतिशत है। वहीं, संक्रमण मुक्त होने की दर भी बढ़कर 94.84 प्रतिशत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि देश में मरीजों की संख्या में गिरावट जारी है। उसने कहा कि 18 जुलाई को कोरोना का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 3,58,692 थी। पिछले 24 घंटों के दौरान 37,528 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं। जिससे कोरोना के मरीजों की संख्या घटकर 3,63,749 रह गई है। उसने कहा कि पिछले 24 घंटे में नये मामलों की संख्या 29,398 रही और संक्रमण को नए मामलों की तुलना में अधिक मरीजों ने मात दी। संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों की संख्या अब 92,90,834 हो गई है। संक्रमण मुक्त होने वाले 79.90 प्रतिशत नये मरीज दस राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से हैं, जिनमें दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

भारत की रुस को दो टूक- हमारी स्वतंत्र विदेश नीति, दूसरे देश की मदद के लिए नहीं हैं चीन के खिलाफ आक्रमक तेवर

भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसकी हमेशा से अपने राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति रही है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर उसका दृष्टिकोण किसी देश के खिलाफ नहीं है। दो दिन पहले, रूस के विदेश मंत्री सरगेई लावरोव ने आरोप लगाया था कि पश्चिमी देश हिंद-प्रशांत रणनीति को आगे बढ़ाने के लिए चीन विरोधी रूख में भारत को भी शामिल करने के वास्ते आक्रामक और कुटिल नीति अपना रही हैं। लावरोव की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि भारत का रूख मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र का है। श्रीवास्तव ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून 2018 में शांगरी ला वार्ता में अपने संबोधन में कह चुके हैं कि भारत हिंद प्रशांत क्षेत्र को रणनीति के तौर पर या सीमित सदस्यों के समूह के प्रभुत्व या खेमेबाजी के तौर पर नहीं देखता है। यह रुख मुक्त, खुले और समावेशी क्षेत्र के लिए है।" लावरोव ने रूस में एक कार्यक्रम में आरोप लगाया था कि अमेरिकी नेतृत्व में कुछ पश्चिमी देश भारत के साथ रूस के करीबी संबंधों को कमतर करने के प्रयास में लगे हैं। उन्होंने कहा था, ''कुटिल, आक्रामक नीति अपना रहे पश्चिमी देशों की नजर भारत पर है और वे, तथाकथित क्वाड के जरिए हिंद-प्रशांत रणनीति को बढ़ावा देकर भारत को चीन विरोधी गतिविधियों में शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं।" क्वाड समूह में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं और इसका मुख्य लक्ष्य मुक्त और सबके लिए खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करना है। श्रीवास्तव ने कहा, ''भारत की हमेशा से अपने राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति रही है।

अगले बजट में कर्मचारियों को मिल सकता है 13% डीए का लाभ, अभी नहीं मिलेगा एरियर

मध्य प्रदेश के 10 लाख कर्मचारियों, अधिकारियों और पेंशनर्स को 2021-22 के वित्तीय वर्ष में 13 फीसदी महंगाई भत्ता (डीए) का लाभ मिल सकता है। यह भी जुलाई 2021 से लागू होने की संभावना है। बजट की तैयारियों में लगे वित्त विभाग ने सभी विभागों से कहा है कि वे 25 फीसदी डीए की गणना के साथ अपना प्रस्ताव भेजें। साफ है कि इस समय मध्य प्रदेश के लोगों को 12 फीसदी डीए मिल रहा है, 25 फीसदी की गणना होती है तो अगले साल 13 फीसदी डीए का लाभ मिलेगा। इंक्रीमेंट का बजट की तैयारियों में फिलहाल कोई जिक्र नहीं है। वित्त विभाग के इस कदम से यह भी स्पष्ट हो गया कि जुलाई 2019 में घोषित किए गए 5 फीसदी डीए का एरियर उन्हें नहीं मिलेगा। पहले कमलनाथ सरकार ने इसे लटकाया, अब कोविड के कारण नई भाजपा सरकार भी इस पर कोई चर्चा नहीं कर रही। इस पांच फीसदी का एरियर ही कर्मचारियों को मिले तो सरकार पर 1200 करोड़ का भार आएगा। केंद्र सरकार ने जुलाई 2019 का एरियर दे दिया है। यानि ताजा हालातों में केंद्रीय कर्मचारियों को 17 फीसदी और मप्र के लोगों को 12 फीसदी ही डीए मिल रहा है। अधिकारियों व कर्मचारियों का कहना है कि यदि सरकार यह पैसा देती तो निश्चित रूप से यह बाजार में आता। वर्ष 2019-20 और 2020-21 में डीए और इंक्रीमेंट के एरियर का करीब तीन हजार करोड़ रुपए सरकार के खाते में ही रह जाएगा।

यह तो दो वित्तीय वर्षों का ताजा मामला है नीतिगत तौर पर जब भी केंद्र सरकार डीए अनाउंस करती है तो राज्य भी उसे अपने कर्मचारियों के लिए लागू करती है। लेकिन प्रदेश में डीए और उसके एरियर को लेकर काफी गफलत है। वर्ष 2004 से 2012 के बीच कभी भी प्रदेश के कर्मचारियों को डीए का एरियर नहीं दिया गया।

यानी केंद्र ने जनवरी से डीए दिया तो राज्य के कर्मचारियों को यह लाभ अप्रैल के महीने में मिला। इन तीन महीनों में बढ़े हुए एरियर की राशि कर्मचारियों के खाते में नहीं डाली गई। यह स्थिति लगातार 108 महीनों तक प्रदेश में हुई। इन महीनों के दस हजार करोड़ रुपए का बकाया एरियर कर्मचारियों को तो मिला ही नहीं।

एरियर: जुलाई 2019 में हुई 5 फीसदी डीए देने की घोषणा का ही एरियर मानें तो यह जून 2021 तक 1200 करोड़ रुपए होता है। यह नहीं मिलेगा। इसी तरह जनवरी 2020 में हुई 4 प्रतिशत की घोषणा में 750 करोड़ रुपए एरियर नहीं मिलेगा। जनवरी 2020 में की गई डीए की घोषणा को वापस ले लिया गया था।

हिमालय से बर्फीली हवाएं चलने से मैदानी इलाकों में होगी बारिश, बढ़ सकती है ठंड

धीरे-धीरे ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मौसम में अचानक से बदलाव के साथ कई राज्यों में बारिश होनी शुरू हो गई है। दिल्ली, उत्तरप्रदेश समेत कई राज्यों में शनिवार को हल्की बारिश देखी गई। इससे राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में भी सुधार होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2 घंटे के दौरान दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, द्वारका और आईजीआई हवाईअड्डे पर हल्की बारिश देखी जा सकती है। दिल्ली में घटा तापमान, बढ़ी ठंड आईएमडी के रीजनल फोरकास्टिंग सेंटर प्रमुख, कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि दिल्ली और पड़ोसी शहरों में अगले 1-2 दिनों में हल्की बारिश होने की संभावना है। इससे वायु की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद हिमालय से बर्फीली उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने से मैदानी इलाकों ने तापमान में गिरावट आएगी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में गिरेगा तापमान इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में भी शनिवार को बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान जताया गया है। उत्तराखण्ड में बारिश व बर्फबारी के चलते पश्चिमी यूपी में शनिवार को बदली-बारिश का मौसम रहेगा। कोल्ड डे के चलते उत्तर प्रदेश के इलाकों में भी छाया कोहरा मौसम विभाग ने अगले चौबीस घंटों के दरम्यान पूर्वी यूपी में कहीं घना तो कहीं बहुत घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी भी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 15 दिसम्बर तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में सुबह व रात में कहीं घना तो कहीं बहुत घना कोहरा छाया रहने के आसार हैं।

किसान आंदोलन को लेकर पीयूष गोयल बोले, अब वामपंथी, माओवादी और असामाजिक तत्व कर रहे हैं माहौल बिगाड़ने की कोशिश

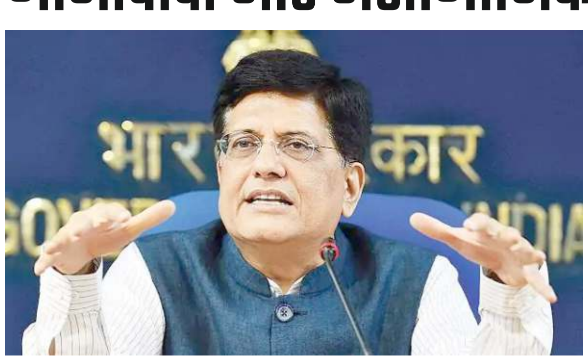

सरकार ने प्रदर्शनकारी किसानों से कहा कि वे अपने मंच का दुरुपयोग नहीं होने देने के लिए सतर्क रहें। साथ ही, कहा कि प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं लेकिन कुछ असामाजिक, वामपंथी और माओवादी तत्व आंदोलन का माहौल बिगाड़ने की साजिश कर रहे हैं। दरअसल, विभिन्न मामलों में गिरफ्तार किए गए सामाजिक एवं मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग करने वाली तख्तियां लिए टिकरी बॉर्डर पर कुछ प्रदर्शनकारियों की तस्वीरें वायरल हुई थी।

खाद्य, रेलवे और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने कहीं अधिक मुखरता से आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे कुछ माओवादी और वामपंथी तत्वों ने आंदोलन का नियंत्रण संभाल लिया है और किसानों के मुद्दे पर चर्चा करने की जगह कुछ और एजेंडा चला रहे हैं। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि देश की जनता देख रही है, उसे पता है कि क्या चल रहा है, समझ रही है कि कैसे पूरे देश में वामपंथियों/माओवादियों को कोई समर्थन नहीं मिलने के बाद वे किसान आंदोलन को हाईजैक करके इस मंच का इस्तेमाल अपने एजेंडे के लिए करना चाहते हैं।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने क्या कहा

इसी पृष्ठभूमि में केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि ये असामाजिक तत्व किसानों का वेश धारण कर उनके आंदोलन का माहौल बिगाड़ने का षड्यंत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के प्रति संवेदनशील है और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए उनके और उनके प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रही है।

तोमर ने ट्वीट किया कि किसानों की आपत्तियों का समाधान करने के लिए किसान संघों के पास एक प्रस्ताव भेजा गया है और सरकार इसपर आगे चर्चा के लिए तैयार है। किसान नेताओं ने हालांकि बृहस्पतिवार को स्पष्ट रूप से कहा था कि केन्द्र के कृषि कानूनों के खिलाफ उनके प्रदर्शन का राजनीति से कोई वास्ता नहीं है।

किसान नेता राकेश टिकैत क्या बोले

इस बीच, भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने शुक्रवार को स्पष्ट रूप से कहा कि नये कृषि कानूनों को समाप्त किए जाने से कम पर कोई समझौता नहीं होगा और अगर सरकार बात करना चाहती है, तो पहले की तरह औपचारिक रूप से किसान नेताओं को सूचित करे। सरकार ने किसान संगठनों ने कहा है कि उनकी चिंताओं के निवारण के लिए सौंपे गए प्रस्ताव पर वे गौर करें और जरुरत होने पर वह आगे भी चर्चा के लिए तैयार है। टिकैत ने एजेंसी से कहा कि उसे (सरकार को) पहले हमें यह बताना चाहिए कि वह कब और कहां हमारे साथ बैठक करना चाहती है, जैसा कि उसने पिछली वार्ताओं के लिए किया। यदि वह हमें वार्ता का निमंत्रण देती है तो हम अपनी समन्वय समिति में उसपर चर्चा करेंगे और फिर निर्णय लेंगे।

भाकियू नेता ने कहा कि जबतक सरकार तीनों नये कानूनों को निरस्त नहीं करती है तबतक घर लौटने का सवाल ही नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार ने आगे की चर्चा के लिए न्यौता भेजा है, तो उन्होने कहा कि किसान संगठनों को ऐसा कुछ नहीं मिला है। उन्होंने कहा, " एक बात बहुत स्पष्ट है कि किसान नये कृषि कानूनों के निरस्त किए जाने से कुछ भी कम स्वीकार नहीं करेंगे।

उपराष्ट्रपति ने कहा, सभी समस्याओं का समाधान निकल सकता

इसबीच, किसान आंदोलन को लेकर उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि रचनात्मक बातचीत के माध्यम से सभी समस्याओं का समाधान निकल सकता है। उन्होंने राजनीति में जाति, अपराधिकरण, सामुदायिकरण और नकदी के बढ़ते प्रभाव पर भी चिंता जतायी और जनता से कहा कि अपना प्रतिनिधि चुनते हुए वे 'क्षमता, व्यवहार और चरित्र आदि पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि जनता प्रदर्शन के आधार पर अपने प्रतिनिधि और सरकारों का चुनाव करे।

आधिकारिक बयान के अनुसार, "किसानों के मुद्दे पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान रचनात्मक बातचीत के माध्यम से हो सकता है। किसान नेताओं ने बृहस्पतिवार को घोषणा की थी कि यदि उनकी मांगें सरकार नहीं मानती है तो वे देशभर में रेलमार्गों को जाम कर देंगे और शीघ्र ही इस बारे में तारीख घोषित करेंगे।

केन्द्र और किसानों के प्रतिनिधियों, विशेष रूप से प्रदर्शन में शामिल हरियाणा पंजाब के किसानों के नेताओं, के बीच कम से कम पांच दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन गतिरोध अभी भी जारी है। राष्ट्रीय राजधानी की विभिन्न सीमाओं पर दो सप्ताह से प्रदर्शन कर रहे किसान केन्द्र के नये कृषि कानूनों को निरस्त करने और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की प्रणाली बरकरार रखने की मांग कर रहे हैं। सरकार और किसान नेताओं के बीच छठे दौर की वार्ता बुधवार को होनी थी, लेकिन वह रद्द हो गई।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले बदल सकता है वोटर आईडी का स्वरुप, चुनाव आयोग जारी करेगा डिजिटल आईडी

भारत में जल्द लोगों को वोटर आईडी की हार्ड कॉपी रखने से आजादी मिलेगी। भारत निर्वाचन आयोग मतदाता आईडी कार्डों को डिजिटाइज़ करने और हार्डकॉपी से दूर करने की योजना बना रहा है। इस मामले से परिचित लोगों ने हिंदुस्तान टाइम्स को को यह जानकारी दी है।

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और पुडुचेरी में अगले साल मई में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग मतदाता फोटो पहचान पत्र (E P I C) का डिजिटल स्वरूप में कर सकता है। आपको बता दें कि वर्तमान में वोटर आईडी फिलहाल सिर्फ हार्डकॉपी के रूप में उपलब्ध है और अब पीडीएफ के रूप में इसे उपलब्ध कराया जा सकता है। मामले से परिचित लोगों ने कहा कि यह योजना कैसे काम करेगी के तौर-तरीकों को अभी भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

कार्ड का डिजिटल स्वरूप, मतदाता आईडी कार्ड की छपाई की लागत को दूर करने में मदद करेगा। प्रस्ताव को मुख्य चुनाव आयोग सुनील अरोड़ा, चुनाव आयुक्त सुशील चंद्र और राजीव कुमार द्वारा लागू करने से पहले इसे मंजूरी देनी होगी। 2019 के आंकड़ों के अनुसार, आयोग के पास लगभग 91.1 पंजीकृत मदाता हैं।

आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि इस संबंध में निर्वाचन आयोग ने अभी कोई फैसला नहीं किया है।

उन्होंने कहा, "हमें क्षेत्र के अधिकारियों, (राज्य के) मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के कार्य समूहों एवं जनता से विचार और सुझाव मिलते रहे हैं। उनमें से यह एक विचार है जिसपर हम काम कर रहे हैं।"

उनसे जब पूछा गया कि क्या डिजिटल मतदाता पहचान पत्र का मतलब यह होगा कि कोई मतदाता उसे किसी ऐप के जरिए अपने मोबाइल फोन में रख सके, तो अधिकारी ने कहा कि आयोग पहले फैसला कर ले, उसके बाद इस तरह का ब्यौरा तय किया जाएगा।

अधिकारी ने बताया, " इसे मोबाइल, वेबसाइट, ई-मेल के जरिए रखा जा सकता है... विचार यह है कि इसकी (पहचान पत्र की)

तेजी से आपूर्ति की जाए और उस तक आसानी से पहुंच हो। कार्ड के छपने और मतदाता तक पहुंचने में समय लगता है।" आधार कार्ड, स्थायी लेखा संख्या (पैन) कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस भी डिजिटल माध्यम में उपलब्ध हैं। डिजिटल माध्यम में, मतदाता की तस्वीर भी बिल्कुल साफ होगी, ताकि आसानी से उसकी पहचान की जा सके।

आयोग के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग को रोकने के लिए आयोग को कोई फैसला करने से पहले इसके सुरक्षा पहलुओं को देखना होगा। फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र 1993 में पहली बार लाया गया था और यह पहचान और पते के सबूत के तौर पर स्वीकार्य है।

खेल जगत

टेस्ट सीरीज से पहले अनिल कुंबले ने किया भारतीय टीम को सावधान, जानें क्या कुछ बोले पूर्व भारतीय कोच

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले जाने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच 17 दिसंबर को एडीलेड में खेला जाएगा। वनडे सीरीज 1-2 से हारने के बाद टी20 इंटरनैशनल सीरीज में भारत ने शानदार वापसी करते हुए मेजबान टीम को 2-1 से शिकस्त दी। अभी तक यह दौरा 1-1 से बराबर है। इसलिए दोनों टीमें टेस्ट सीरीज जीतने के लिए जोरदार तैयारी कर रही हैं।

कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी ऑस्ट्रेलिया और भारत की तैयारियों को लेकर टिप्पणी किया है। जिसमें भारत के पूर्व कोच अनिल कुंबले भी शामिल हैं। दिग्गज स्पिनर के अनुसार अगर भारत पहला टेस्ट मैच नहीं जीत पाया तो उसे अगले तीन मैचों में वापसी करना आसान नहीं होगा। अनिल कुंबले ने कहा, 'अगर हम पहले टेस्ट मैच में जीत हासिल करके आगे हो जाते हैं। तो भारत के पास पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे की उपलब्धि को दोहराने का बढ़िया मौका होगा।' उन्होंने कहा, 'हालांकि स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर टीम में वापसी कर रहे हैं और फिर विराट तीन टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाएंगे तो यह निश्चित रूप से भारत के बड़ा कारण बन जाएगा। लेकिन यह कहने के बावजूद, टीम में काफी काबिलियत मौजूद है, भले ही वो बल्लेबाजी हो या फिर गेंदबाजी।' पूर्व दिग्गज स्पिनर एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। विराट की अनुपस्थिति में आखिरी तीन मैचों की कप्तानी अजिंक्य रहाणे करेंगे। वहीं रोहित के फिट होने के बाद अब उनके भी आखिरी दो टेस्ट मैच में उपलब्ध रहने की उम्मीद बढ़ गई है।

क्यों वर्ल्ड कप जिताने में युवराज सिंह की भूमिका है सबसे अहम, रिकॉर्ड बयां करते हैं कहानी

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर रह चुके युवराज सिंह आज अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। युवी का जन्म 12 दिसंबर 1981 को चंडीगढ़ में हुआ था। अपने शानदार खेल से टीम को दो बार वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज सिंह के पिता का नाम योगराज सिंह है जो कि खुद एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी हैं। कैंसर जैसी घातक बीमारी को मात दे चुके युवराज सिंह के नाम टी-20 क्रिकेट में छह गेंदों पर छह छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। युवराज ने यह रिकॉर्ड 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। इसके अलावा टी-20 क्रिकेट में 12 गेंदों में फिफ्टी बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। बड़े स्तर पर दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे युवराज के नाम अंडर-19 विश्व कप जीतने का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

काइल जैमीसन की घातक बॉलिंग, वेस्टइंडीज फॉलोऑन की कगार पर पहुंचा

काइल जैमीसन के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के आठ विकेट महज 124 रन पर निकालकर दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को उसे फॉलोआन की कगार पर धकेल दिया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 460 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज को फॉलोआन से बचने के लिए अभी भी 136 रन और बनाने हैं। अब तक खेले पांच टेस्ट में जैमीसन ने दूसरी बार पांच विकेट लिए हैं।

इसके अलावा वह एक अर्धशतक और दो बार 40 से अधिक रन बना चुके हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के दो विकेट पहले ही ओवर में लगातार दो गेंदों पर लिए लेकिन हैट्रिक लगाने से चूक गए जब अगली गेंद पर एलबीडब्ल्यू की जोरदार अपील अंपायर ने खारिज कर दी। जैमीसन ने जर्मेन ब्लैकवुड और शमारा ब्रूक्स के बीच पांचवें विकेट की 68 रन की साझेदारी भी तोड़ी।

इसके बाद वेस्टइंडीज के कप्तान जैसन होल्डर (नौ) और अलजारी जोसेफ को आउट करके अपने पांच विकेट पूरे किए। पहले टेस्ट में शतक जमाने वाले ब्लैकवुड ने ही जैमीसन की हैट्रिक नहीं होने दी थी। उन्होंने एक बार फिर शानदार बल्लेबाजी करते हुए 69 रन बनाए। इससे पहले टिम साउदी ने टॉप ऑर्डर में क्रेग ब्रैथवेट और डैरेन ब्रावो के विकेट लेकर वेस्टइंडीज को अच्छी शुरुआत नहीं करने दी। वेस्टइंडीज का स्कोर कल 16 ओवर में तीन विकेट पर 29 रन था। इससे पहले हेनरी निकोल्स और नील वैगनेर ने नौवें विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 294 रन से 460 रन तक पहुंचाया। निकोल्स 174 रन बनाकर आउट हुए जो उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 162 रन बनाए थे। वैगनेर 66 रन बनाकर आउट हुए और यह उनका पहला टेस्ट अर्धशतक है। अपनी पारी में उन्होंने आठ चौके और चार छक्के जड़े। निकोल्स ने विल यंग के साथ 70, बी जे वॉटलिंग के साथ 55, डेरिल मिशेल के साथ 83 और जैमीसन के साथ 50 रन की साझेदारी की।

डेविड वॉर्नर के न होने पर ओपनिंग के लिए मार्नस लाबुशेन ने ठोका दावा, कहा- इसके लिए मैं तैयार हूं

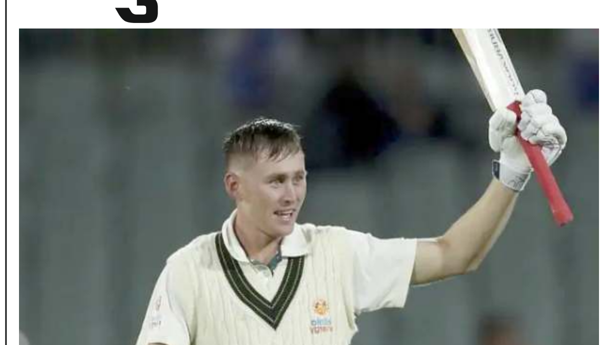

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने शनिवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में उनके सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरने को लेकर कोई बात नहीं हो रही है लेकिन अगर उनसे ऐसा कहा जाता है तो वह इसके लिए तैयार हैं। डेविड वॉर्नर और विल पुकोवस्की पहला टेस्ट नहीं खेल पाएंगे जबकि जो बर्न्स खराब फार्म में जूझ रहे हैं। ऐसे में एडिलेड में 17 दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट में लाबुशेन पारी की शुरूआत कर सकते हैं।

उन्होंने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हो रही है। मैं इस समय तीसरे नंबर पर उतरता हूं। मैं सिर्फ बल्लेबाजी की तैयारी कर रहा हूं, पहले नंबर पर उतरूं या तीसरे। मैं गेंद का सामना करने के लिए तैयार हूं, हालात कुछ भी हों। उन्होंने कहा, "मैने पिछले सीजन में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की तो उम्मीद है कि वहीं उतरूंगा। लेकिन मेरा काम गेंद का सामना करना है, चाहे किसी भी बैटिंग ऑर्डर पर उतरूं। लाबुशेन ने कहा कि टीम के हित में वह कुछ भी करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि टीम को पारी की शुरुआत मुझसे करानी है तो मैं करूंगा। यह खेल ही ऐसा है और हमें देखना होगा कि टीम को क्या जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि वह फ्लड लाइट में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने को तैयार हैं क्योंकि खिलाड़ियों को चुनौती का पता है। लाबुशेन ने कहा कि हम बिल्कुल तैयार हैं। हमने वनडे में जसप्रीत बुमराह का सामना किया जिसने आखिरी वनडे में शानदार गेंदबाजी की।

उन्होंने आगे कहा कि हमें पता है कि हमारे सामने कौन है। हमें फोकस बनाए रखना है और उसके अनुसार तैयारी करनी है। उन्होंने कहा कि नेट्स पर मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाजों को खेलकर आस्ट्रेलियाई टीम बेहतर हो गई है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से हटे स्टार स्टोक्स

पिता के निधन का शोक मना रहे इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने श्रीलंका दौरे पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर रहने का फैसला किया है जबकि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के कार्यभार प्रबंधन के कारण दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए चुनी गई 16 सदस्यीय इंग्लैंड टीम में शामिल नहीं किया गया। स्टोक्स और आर्चर की अगले साल फरवरी में भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए वापसी लगभग तय है।

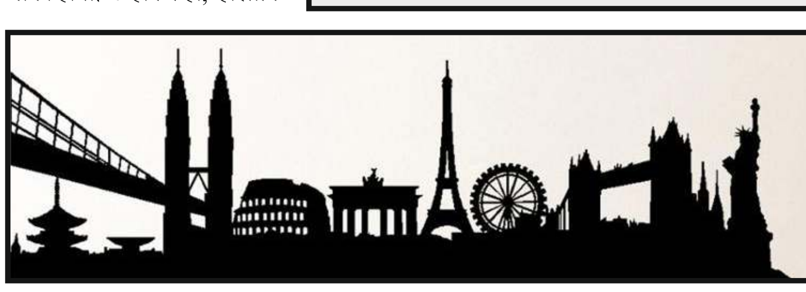

देश परदेश

अमेरिका में मंजूरी मिलने के बाद डोनाल्ड ट्रंप बोले- पूरी तरह सुरक्षित है फाइजर और मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दवा निमार्ता कंपनी फाइजर और मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन को सुरक्षित एवं कारगर बताते हुए कहा है कि देश के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफडीए) ने फाइजर द्वारा विकसित की गयी कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन स्थिति में उपयोग को मंजूरी प्रदान कर दी है।

ट्रंप ने शुक्रवार देर रात अपने संबोधन में इस बात की जानकारी देते हुए कहा, “आज हमारे देश ने चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक चमत्कार कर दिखाया है। हमने केवल नौ महीनों के भीतर ही एक सुरक्षित एवं कारगर वैक्सीन विकसित कर ली है। इसे इतिहास में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक उपलब्धियों में गिना जायेगा। इस वैक्सीन से लाखों लोगों की जिंदगी बचेगी और जल्द ही यह महामारी खत्म हो जायेगी। मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि एफडीए ने फाइजर की कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन स्थिति में उपयोग को मंजूरी प्रदान कर दी है।”

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, “फाइजर और मॉडर्ना ने घोषणा की है कि उनकी कोरोना वैक्सीन 95 फीसद तक कारगर है जोकि उम्मीद से कहीं अधिक है। ये दोनों ही वैक्सीन काफी सुरक्षित भी मानी जा रही हैं। वैक्सीन के क्लीनिकल परीक्षण में हिस्सा लेने वाले लोगों पर इसके कोई गंभीर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े हैं।” गौरतलब है कि एक सप्ताह पहले ही फाइजर की कोरोना वैक्सीन को मंजूरी प्रदान करने वाला ब्रिटेन दुनिया का पहला देश बन गया है। ब्रिटेन में प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण अभियान शुरू हो चुका है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में इसके संक्रमण से अब तक 2.94 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका दुनिया में कोरोना से प्रभावित देशों की सूची में पहले स्थान पर है। अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और अब तक 1.58 करोड़ से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 2,94,874 पहुंच गयी है जबकि संक्रमितों की संख्या 1,58,34,965 हो गयी है।

क्या कोरोना वैक्सीन DNA को खराब कर देगी?

दुनिया भर में कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए टीके के इंतजार के बीच दक्षिण अफ्रीका के चीफ जस्टिस मोगोइंग मोगोइंग ने टीके को ले कर एक विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में जिस टीके से उत्साह का संचार हो रहा है वह 'शैतान' के पास से आया है। इस बयान के लिए चीफ जस्टिस की काफी आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें न्यायाधीश मोगोइंग एक गिरजाघर में प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं और इस दौरान वह दावा करते हैं कि टीका लोगों के डीएनए को 'खराब' कर देगा। उन्होंने अपनी प्रार्थना में कहा कि जो आपकी (ईश्वर) तरफ से नहीं है, ऐसे किसी भी टीके से मैं खुद को दूर करता हूं। अगर कोई टीका है तो वह शैतान की तरफ से है, जिसका मकसद लोगों के जीवन में 'ट्रिपल सिक्स' (शैतान का चिह्न) लाना है और यह उनके डीएनए को खराब करेगा.....

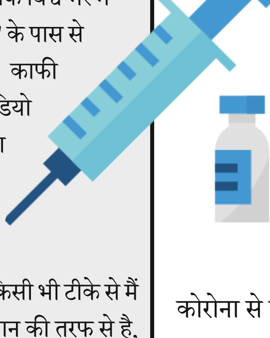

'पाव भर के परमाणु बम' वाले बड़बोले शेख रशीद को इमरान ने बनाया गृहमंत्री, मोदी के नाम पर लगा था करंट

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को एक अदालत के फैसले के बाद शुक्रवार को अपनी कैबिनेट में फेरबदल करना पड़ा। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) 2018 में सत्ता में आई थी और उसके बाद से यह चौथा कैबिनेट फेरबदल है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने हाल में फैसला दिया है कि अनिर्वाचित और विशेष सहायक कैबिनेट समितियों की अगुवाई नहीं कर सकते हैं।

खान ने बड़बोले शेख रशीद अहमद को गृह मंत्री और डॉ अब्दुल हफीज शेख को वित्त मंत्री नियुक्त किया है। सरकारी रेडियो पाकिस्तान की खबर के मुताबिक, अहमद पहले से ही कैबिनेट का हिस्सा हैं और रेल मंत्रालय का जिम्मा संभाल रहे थे जबकि हफीज शेख वित्त और राजस्व पर सलाहकार के तौर पर सेवा दे रहे थे। वह निर्वाचित सदस्य नहीं हैं और वह कई समितियों की अगुवाई नहीं कर सकते हैं। हफीज शेख को संविधान के अनुच्छेद 91 (9) के तहत मंत्री नियुक्त किया गया है। वह छह महीने तक मंत्री के पद पर रह सकते हैं। उन्हें उसके बाद कौमी (राष्ट्रीय) असंबेली या सीनेट के लिए निर्वाचित होना होगा। गृह मंत्रालय का जिम्मा संभाल रहे ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) एजाज़ अहमद शाह को स्वापक नियंत्रण मंत्री बनाया गया है जबकि आज़म खान स्वाती को रेल मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। माना जाता है कि हफीज़ शेख को मार्च में सीनेट का सदस्य बनाया जाएगा, तब उच्च सदन के लिए चुनाव होंगे। नए कैबिनेट में सबसे अहम बदलाव शेख रशीद के मंत्रालय में किया गया है। रेलवे के कामकाज में सुधार करने में नाकाम रहने के बावजूद उन्हें गृह मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है।

'भारत को दी थी पाव भर के परमाणु बम वाली धमकी'

शेख रशीद अपने कामकाज के लिए कम और बड़बोले और विवादित बयानों को लेकर अधिक जाने जाते हैं। वह कई बार अपनी सरकार और पाकिस्तान की किरकिरी करा चुके हैं। भारत को धमकी देते हुए शेख राशिद अहमद ने कहा था, 'पाकिस्तान परमाणु युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यह थोपा गया तो पाकिस्तान इसका जवाब देगा। भारत सुन ले कि पाकिस्तान के पास पाव और आधा पाव के एटम बम भी हैं, जो किसी खास इलाके को निशाना बना सकते हैं।' मोदी के नाम पर लगा था करंट अगस्त 2019 में उनका एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जब मोदी का नाम लेते ही उनके माइक में करंट उतर आया था। भारत-पाक में तनाव के बीच लगातार भड़काऊ बयान देने वाले पाकिस्तानी रेल मंत्री शेख रशीद अपने भाषण में पीएम मोदी की आलोचना कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें करंट का झटका लगा। उन्होंने कहा कि लगता है कि करंट आ गया है। करंट लगने के बाद भी पाकिस्तानी रेल मंत्री रशीद चुप नहीं हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कहा कि वे इस जलसे को नाकाम नहीं कर सकते हैं।

Pfizer के बाद अब कनाडा मॉर्डना की वैक्सीन को देगा मंजूरी, साल के अंत तक होगी घोषणा

पूरी दुनिया में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है, विशेषज्ञों ने कहा है कि जब तक कोरोना की वैक्सीन नहीं आ जाती है तब तक कोरोना हमारी जिंदगियों से जाने वाला नहीं है. सभी देश कोरोना की वाक्सीन बनाने और जुटाने में लगे हुए हैं और इसी कड़ी में कनाडा भी इस साल के आखिर से पहले मॉडर्न द्वारा विकसित की जा रही कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दे सकता है, फाइजर-बायोएनटेक शॉट्स सोमवार को आने वाले हैं ।कनाडा ने अब तक मॉडर्न वैक्सीन की 40 मिलियन खुराक का ऑर्डर दिया है। सीमित 249,000 खुराक की प्रारंभिक किश्त के साथ Pfizer वैक्सीन सबसे कमजोर वर्गों के लिए रखी जाएगी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने संकेत दिया है कि आधुनिक वैक्सीन भी जल्द ही उपलब्ध कराई जा सकती है, संभवतः 2020 के अंत से पहले।

कनाडा की मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ सुप्रिया शर्मा ने सीबीसी न्यूज को बताया कि यह "संभावना के दायरे" के भीतर है कि मॉर्डना वैक्सीन को उस समय अवधि के भीतर अप्रूव किया जाएगा या नहीं, हालांकि यह बाकी जानकारी पर निर्भर करता है। कनाडा के लोगों को मुफ्त में टीका लगाया जाएगा।

सरकार देश में फाइजर के शुरुआती बैच के आगमन का जश्न मना रही है। सार्वजनिक सेवाओं और खरीद की संघीय मंत्री अनीता आनंद ने हाउस ऑफ कॉमन्स में उस मनोदशा को प्रतिध्वनित किया। “यह कनाडाई लोगों के लिए एक शानदार सप्ताह रहा है। हम सोमवार को इस देश में टीके लगाने जा रहे हैं।”

देश में कोरोनावायरस संकट की दूसरी लहर के दौरान संक्रमण में नई ऊंचाई दर्ज करने वाले प्रांतों के साथ, कनाडा के लोगों के लिए यह खबर राहत की बात है। यहां मरने वालों की संख्या 13,109 तक पहुंच गई है, सिर्फ 11 दिनों में 1,000 से अधिक मृत्यु देखी गई। कुल संक्रमण संख्या 441,705 तक पहुंच गई है।

आउटलेट ग्लोबल न्यूज़ ने बताया कि मॉडर्ना वैक्सीन का फाइजर संस्करण पर लाभ यह है कि इसे 20 डिग्री सेल्सियस पर स्टोर किया जा सकता है, जहां सामान्य प्रशीतन प्रणाली पर्याप्त हो सकती है, जबकि बाद वाले को अल्ट्राकोल्ड -70 डिग्री सी की स्थिति की आवश्यकता होती है।

रोहित राजावत पोसेटिव किरदार में दिखेंगें शार्ट फिल्म "व्हाई" में!

व्हाई" आपने आत्महत्या कियो किया ये सवाल हर किसी के जेहन में तभी उठता हैं जब कोई आत्महत्या करता है इसी पर आधारित शार्ट फिल्म व्हाई- डेथ इज नॉट जस्टिस' बनी है, हाल ही में बॉलीवुड के कई बड़े नामी कलाकारों और अभिनेताओ ने आत्माहत्या किया है लेकिन उनकी आत्महत्या का वजह आजतक किसी को नहीं मालूम चला सभी के मन में सिर्फ यही सवाल था "व्हाई" 'क्यों' तुमने आत्महत्या कियो किया!

अभिनेता रोहित राजावत एक बेहतरीन कलाकार है इस फिल्म में वह एक दोस्त की भूमिका निभा रहे हैं जो हमेशा पोसेटिव सोच रखता है और अपने जीवन में उतार चढाव के बाद भी वो जीने का सोच रखता है, और रोहित कहते है आत्महत्या कोई समाधान नहीं है संघर्ष से समाधान निकलता है!

रोहित बताते है अपने को एक्टर संतोष राज और निर्देशक लक्की हाशमी के बारे में की दोनों के साथ काम करना एक अच्छा अनुभव रहा हैं दोनों ने अपना अपना काम बहुत अच्छा से निभाया है !अभीतक रोहित डेली शॉप 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी' वाणी रानी, थपकी प्यार की, वीरा, और फिल्म जैसे वज़ीर, कैलेंडर गर्ल, नाइन वो क्लॉक, के अलावा कमर्शियल कोलगेट के विज्ञापन में काम कर चुके हैं !

राइट चॉइस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह फिल्म 25 दिसंबर क्रिसमस पर रिलीज़ होगी राइट चॉइस एंटरटेनमेंट यूट्यूब चॅनेल पर,

श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत हुए कोरोना का शिकार

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई और एक्टर सिद्धांत कपूर कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। शक्ति कपूर ने बताया कि बेटे सिद्धांत कपूर कोविड के लक्षण महसूस कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने टेस्ट करवाया। सिद्धांत कपूर इस समय गोवा में हैं और उन्होंने खुद को क्वारंटाइन कर लिया है।

ई टाइम्स को सिद्धांत कपूर ने बताया, ''रविवार को मुझे खाने का स्वाद नहीं मिल रहा था। मुझे लगा कि टेस्ट करवाना चाहिए और फिर रिपोर्ट पॉजिटिव आई। मैं गोवा में हूं।

हमारा यहां पर घर है। शुक्र है कि मैं मुंबई की ट्रैफिक और भीड़ में नहीं हूं। मैंने खुद को क्वारंटाइन कर लिया है। मुझे यकीन है कि मैं अगले कुछ दिनों में ठीक हो जाऊंगा।"

लोग हैंडराइटिंग व हस्ताक्षर बदल के माइंड पावर से अपना लक बदल सकते है।"- सुप्रसिद्ध ग्राफोलॉजिस्ट सुरेंद्र शर्मा

मुंबई। पिछले २५ सालों से हैंडराइटिंग व हस्ताक्षर से भविष्य बतानेवाले ग्राफोलॉजिस्ट,टैरो कार्ड रीडर,हीलिंग, मैडिटेशन व वास्तु कंसल्टेंट व सुप्रसिद्ध ग्राफोलॉजिस्ट सुरेंद्र शर्मा ने अब रिसर्च के बाद हैंडराइटिंग व हस्ताक्षर से व जन्म तारीख से लोगों का भूत,वर्तमान,भविष्य बताते है और उसके लक भी बदलने के उपाय भी बताते है और होने वाले रोग इत्यादि के बारे में बताते है। जिससे काफी लोगों को फायदा हुआ, जिसके लिए देश विदेश में हमेशा यात्रा करते रहते है।बहुत से बिज़नेसमैन,फिल्म स्टार, क्रिकेटर व अन्य लोगों के निजी तौर पर वे उनके लिए काम करते है।

अपने पिछले २५ सालों के बारे में ग्राफोलॉजिस्ट सुरेंद्र शर्मा कहते है," मैं हमेशा कुछ ना कुछ रिसर्च करता रहता हूँ। आज ९० प्रतिशत लोगों की परेशानी का और बीमारी का कारण उनकी व्यक्तिगत सोच है।जोकि लिखावट बदलकर व माइंड पावर से सोच बदलकर आप अपना योग बदल सकते हो। इस परिवर्तन से आपकी सोच बदलेगी और आपका भविष्य बदल सकता है।"

आगे सुरेंद्र शर्मा कहते है,"लोग अपने माइंड पावर से अपना लक बदल सकते है व अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते है। हैंडराइटिंग से पता चलता है कि किसको बिजनेस करना चाहिए या किसको नौकरी करना चाहिए? बच्चों को कौन सी पढ़ाई करने पर भविष्य अच्छा होगा,यह भी पता चल सकता है?हमारी सोच ही हमारी तक़दीर बदल सकती है,जब उसका सही तरह ज्ञान प्राप्त किया जाए और सही तरह निर्देशों के साथ हैंडराइटिंग बदलते है तो उसका फायदा मिलता है और आपके योग बदलते है। माइंड पावर के जरिये सोच बदलने के लिए भी मैं कई क्लासेस भी लेता हूँ। लिखावट इंसान के अंतर मन की भावना को व्यक्त करता है। जोकि बदलकर काफी हद तक आपकी परेशानी कम हो सकती है।"

हार्ट अटैक आने के बाद ICU में हैं रेमो डिसूजा

फेमस कोरियोग्राफर और डायरेक्टर रेमो डिसूजा हार्ट अटैक आने के बाद मुंबई के कोकिनाबेन अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें आईसीयू में रखा गया है। रेमो के साथ पत्नी लिजेल भी हॉस्टिपल में हैं जो उनका ख्याल रख रही हैं। अब लिजेल ने पति रेमो डिसूजा का हेल्थ अपडेट दिया है। मुंबई मिरर के अनुसार लिजेल ने बताया कि रेमो की हालत पहले से बेहतर हैं और वह रिकवर कर रहे हैं। रेमो डिसूजा को देखने के लिए धर्मेश, आमिर अली और नोरा फतेही हॉस्पिटल पहुंचे थे, जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। आमिर अली ने मुंबई मिरर को बताया कि रेमो डिसूजा अभी भी आईसीयू में हैं लेकिन होश में हैं। उन्हें देखने से लगा कि वह तेजी से ठीक हो रहे हैं। बताते चलें कि रेमो डिसूजा शानदार कोरियोग्राफर होने के साथ एक बेहतरीन डायरेक्टर भी हैं। उनके डायरेक्शन में बनी फिल्म स्ट्रीट डांसर इस साल जनवरी में रिलीज हुई थी।

इसमें वरुण धवन और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आए थे। हालांकि इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से मिक्स रिव्यू मिले थे। इसके अलावा वह एबीसीडी, एबीसीडी 2, रेस 3 जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। रेमो अपनी बेहतरीन कोरियोग्राफी के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं, जिसमें IIFA, जी सिने और स्टार डस्ट जैसे अवॉर्ड्स शामिल हैं। वह झलक दिखलाजा, डांस इंडिया डांस और डांस प्लस जैसे शोज को जज भी कर चुके हैं।

निर्देशक एस के दास की शार्ट फ़िल्म 'मास्क' को देश विदेश के फ़िल्म फेस्टिवल में काफी सराहा गया और कई अवार्ड मिले

मुंबई। निर्देशक एस के दास की शार्ट फ़िल्म 'मास्क' मुंबई में ६ दिसम्बर २०२० को हुए 9वें मुंबई शार्ट इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल 2020 में चर्चा का विषय और काफी सराहा गया। फिल्म "मास्क" की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में काफी सराहना की गई और कई अवार्ड भी जीते।

ओडिशा प्रशासनिक सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी श्री स्वेता कुमार दाश द्वारा निर्देशित ओडिया लघु फिल्म 'मास्क' ने ओड़िआ में अंग्रेजी सबटाइटल के साथ 7-मिनट-18-सेकंड की फिल्म एक गरीब लड़के(अजय चौधरी) के संघर्ष के आसपास घूमती है, जो अपने परिवार के लिए आजीविका को बनाए रखने के लिए अपनी मां द्वारा तैयार हाथ से बने 'मास्क' बेचने का काम शुरू करता है। लेकिन कम कीमत के कारण और बहुत लुभावना नहीं होने के कारण मास्क ज्यादा लोग नहीं खरीदते है। फेस्टिवल जूरी के सदस्यों ने 'मास्क' को कोविद -19 पर सर्वश्रेष्ठ जागरूकता फिल्म के रूप में चयन किया था। बेरहमपुर में एक गरीब परिवार से रहने वाले एक छोटे से लड़के अजय चौधरी द्वारा शानदार अभिनय, जूरी सदस्यों से भी व्यापक प्रशंसा प्राप्त हुई।

अभी हॉल में अर्जेंटीना में हुए 'क्वारंटाइन इमेज फिल्म फेस्टिवल 2020' में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पीपुल्स च्वाइस अवार्ड जीता है।इससे पहले फिल्म ने "फ्लिकफेयर" में नामांकित व्यक्तियों की अंतिम सूची में भी जगह बनाया था और यूके में पहली बार फिल्म समारोह में व्यापक रूप से प्रशंसित किया गया।

इसे आधिकारिक तौर पर भारत की एकमात्र फिल्म के रूप में टेहरन में हुए '16 वें रेसिस्टेन्स अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल' में फाइनल के लिए चुना गया था।

फिल्म के बारे में एस के दाश कहते है,"कोरोना वायरस के फैलाव को कम करने लिए मास्क का उपयोग करने के लिए लोगों के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए, मैंने यह शॉर्ट फिल्म" मास्क "बनाया, जिसके लिए ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री, गवर्नर व माननीय सांसदों इत्यादि लोगों ने प्रशंसा की। इस फिल्म को और कई फिल्म फेस्टिवल में भेजने की तैयारी कर रहे है।"

श्री एस के दाश इससे पहले शार्ट फिल्म 'सन्नी- दी सन ऑफ़ रिवर महानदी' जिसके लिए उड़ीसा सरकार अवार्ड दिया गया था। इसके अलावा 'निर्भया कांड' पर बनी हिंदी फीचर फिल्म "दिल्ली बस" में फिल्म के पटकथा और संवाद लिखने में भी भागीदारी की थी।

गिन्नी से शादी के लिए कपिल शर्मा को बेलने पड़े थे पापड़

कॉमेडियन कपिल शर्मा और उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ शनिवार को अपनी शादी की दूसरी सालगिरह मना रहे हैं। दोनों ने लव मैरिज की थी, लेकिन कपिल शर्मा के लिए प्यार की राह उनकी कॉमेडी जितनी सहज नहीं थी। यहां तक कि गिन्नी के पिता ने कपिल शर्मा के शादी के प्रस्ताव को ही खारिज कर दिया था। कॉलेज के टाइम में कपिल शर्मा कुछ अतिरिक्त कमाई करने के लिए प्ले किया करते थे। 2005 में एक ऑडिशन के दौरान ही उनकी गिन्नी से मुलाकात हुई थी। कपिल शर्मा ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में अपनी लव स्टोरी के बारे में बताते हुए कहा था, 'मेरे एक दोस्त ने मुझसे बताया गिन्नी मुझे लाइक करती है। लेकिन मैंने इस बात को खारिज कर दिया।' कपिल शर्मा बताते हैं कि इसके बाद मैंने सीधे गिन्नी से ही एक दिन पूछ लिया था, 'तू मुझे लाइक तो नहीं करती?' तब गिन्नी ने इससे इनकार कर दिया था। इसके बाद कपिल शर्मा ने यूथ फेस्टिवल के दौरान गिन्नी का अपनी मां से परिचय कराते हुए कहा था कि यह मेरी एक स्टूडेंट है। इसके बाद कपिल शर्मा द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के ऑडिशन के लिए मुंबई गए थे, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया था। इसके बाद कपिल शर्मा ने गिन्नी को कॉल किया है और कहा कि अब वह संपर्क में नहीं रहेंगे।

अजय देवगन ने 'मैदान' की रिलीज डेट का किया ऐलान, इस दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

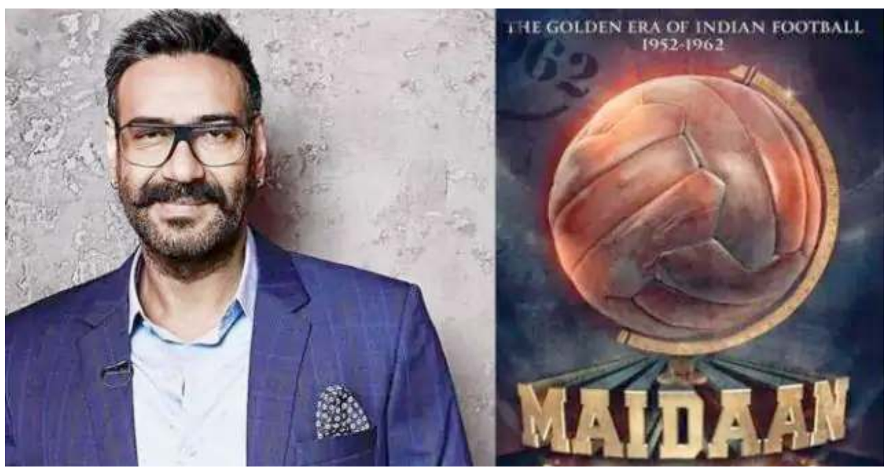

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन लंबे समय बाद अपनी नई फिल्म मैदान की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में दशहरा के मौके पर 15 अक्टूबर को रिलीज होगी। अजय देवगन ने यह जानकारी सोशल मीडिया के जरिए अपने फैन्स के साथ शेयर की है।

अजय देवगन की यह फिल्म सैयद अब्दुल रहीम की जिंदगी पर आधारित है जो साल 1950 से लेकर 1963 तक इंडियन नेशनल टीम के फुटबॉल कोच और मैनेजर थे। फिल्म में अजय देवगन सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका में नजर आएंगे। अजय देवगन ने ट्वीट किया, "अब मैदान 2021 में दशहरा पर थियेटर्स में वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। शूट की शुरुआत जनवरी 2021 में होगी। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें वह रेट्रो लुक में नजर आ रहे हैं। बता दें कि इस फिल्म के कुछ हिस्से की शूटिंग लखनऊ, कोलकाता और मुंबई में हो चुकी हैं। अब जनवरी में इसका फाइनल शेड्यूल शूट होगा। अगर देश में कोरोना वायरस ने कहर ना बरपाया होता तो अब तक फिल्म बनकर कम्प्लीट हो जाती। फिल्म की लगभग 65 फीसदी शूटिंग हो चुकी है। मेकर्स ने फिल्म का आखिरी शेड्यूल 2021 के अप्रैल तक पूरा करने का प्लान बनाया है।

इस फिल्म की शूटिंग 'बधाई हो' फेम डायरेक्टर अमित शर्मा कर रहे हैं। फिल्म में अजय देवगन के अलावा प्रियामनी, गजराज राव और रुद्राणी घोष भी नजर आएंगे।

बिग बॉस 14-राखी सावंत और अर्शी खान में तीखी बहस

बिग बॉस में एंट्री करते हुए राखी सावंत ने धमाल मचाना शुरू कर दिया है। बिग बॉस 14 के लेटेस्ट एपिसोड में अर्शी खान से भिड़ती हुई नजर आई। अर्शी और विकास के बीच बहस होने पर राखी सावंत कूद गईं और विकास से कहा कि वह अर्शी से लड़े नहीं बल्कि उसकी नाक ही तोड़ दे। राखी ने कहा, 'विकास लड़ाई मत करो। तुम्हें इसकी नकली नाक तोड़नी होगी। यह फुल नकली है। हमेशा शिल्पा शिंदे को कॉपी करती रहती है। अर्शी ऊपर से नीचे तक नकली है।' इस पर अर्शी ने राखी को जवाब देते हुए कहा, 'तुम्हारी नाक भी नकली है। हां, मैं शिल्पा शिंदे हूं। वह बेहद सम्मानित है।' राखी सावंत ने कहा कि हां हम दोनों ही नाक और मुंह से काम करते हैं। राखी सावंत ने कहा कि मैं यहां हूं और कोई भी किसी दूसरे व्यक्ति पर हाथ नहीं उठा सकता। दोनों ही एक दूसरे को चुड़ैल कहने लगीं। राखी सावंत ने अर्शी से कहा कि तुम सस्ती चुड़ैल हो। यही नहीं राखी सावंत ने कहा कि तेरे मुंह से कोरोना निकल रहा है। इस पर अर्शी ने जवाब देते हुए कहा, 'मैं कोरोना वैक्सीन हूं। मुझे देखकर कोरोना भाग जाएगा।' इसके बाद सब डाइनिंग एरिया में बैठ गए। इस बीच निक्की तम्बोली ने कहा कि उसके भाई ने हिप का रिप्लेसमेंट कराया है। इस पर राखी सावंत ने हैरानी जताते हुए कहा कि क्या ऐसा भी होता है। राहुल ने कहा कि तुम इस बारे में मत सोचो।

निक जोनास ने बताया, भारत में लड़कियों के जीजू कहने पर कैसा फील करते हैं

प्रियंका चोपड़ा से शादी से पहले उनके अमेरिकी पति निक जोनास भारत के बारे में बहुत ज्यादा नहीं जानते थे। इसके बाद भी वह भारत के कल्चर को काफी पसंद करते हैं। यहां तक कि उन्होंने शादी भी हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाज से की थी। फिर भी भारत की फैमिली वैल्यूज और रिश्तों के बारे में समझना उनके लिए काफी रोचक रहा है। प्रियंका चोपड़ा की कई बहनों और अन्य लड़कियों की ओर से जीजू कहे जाने पर वह कैसा फील करते हैं, इस पर जोनास ने कहा कि मैं उन लड़कियों की बहन के पति के तौर पर बेहद खुश हूं। हिंदुस्तान लीडरपशिप समिट में प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि शादी के दौरान निक जोनास नेशनल जीजू के तौर पर ट्रेंड हो गए थे। यहां तक कि भारत में जीजू उनका एक तरह से निक नेम ही हो गया था। निक जोनास कहते हैं कि वह भारत में मिल रहे सम्मान को लेकर काफी खुश हूं और इसके लिए भारतीयों के प्रति शुक्रगुजार हैं। प्रियंका ने कहा कि भारत मेरा घर है, जबकि निक जोनास के दिल में भी भारत के लिए काफी प्यार है। भारतीय कल्चर और परंपराओं को मानने को लेकर निक जोनास ने कहा कि प्रियंका के लिए मेरा प्यार भारत के लिए प्यार जैसा है।

ट्विटर पर 'दिलजीत कित्थे आ' ट्रेंड होने के बाद अब पंजाबी सिंगर ने दिया यह जवाब

ट्विटर पर 'दिलजीत कित्थे आ' ट्रेंड होने के बाद अब खुद पंजाबी ऐक्टर और सिंगर ने ट्रोल्स को जवाब दिया है। शुक्रवार को सुबह कंगना रनौत ने इस ट्रेंड को शुरू किया था। कंगना रनौत ने किसान आंदोलन को लेकर उनके रुख पर सवाल उठाते हुए ट्वीट किए थे। ऐसे में अब बारी दिलजीत दोसांझ की थी। पंजाबी सिंगर ने लिखा, 'सुबह उठ के जिम लाया। फेर सारा दिन काम कित्ता...अब मैं सोने लगा हूं। लो पढ़ लो मेरा शेड्यूला' इससे पहले कंगना रनौत ने ट्वीट करते हुए लिखा था, 'समस्या सिर्फ वे लोग नहीं हैं बल्कि हर वह व्यक्ति इसके लिए जिम्मेदार है, जो किसानों के लिए बने कानूनों का विरोध कर रहा है। उन्हें पता है कि यह कानून कितने अहम हैं, इसके बाद भी वे किसानों को उकसाने के काम में जुटे हैं। हिंसा भड़का रहे हैं और भारत बंद को बढ़ावा दे रहे हैं।'

बिग बॉस 14-अभिनव-रुबीना और कविता-रोनित के झगड़े पर भड़के सलमान, कहा- क्या खिलवाड़ बना के रखा है, गंदा है ये

बिग बॉस सीजन में आने वाले एपिसोड में आपको कुछ और धमाल देखने को मिल सकता है। नए आने वाले एपिसोड के प्रोमो में सलमान खान अभिनव शुक्ला और रूबीना दिलैक और कविता कौशिक एवं रोनित बिस्वास के झगड़े पर गुस्सा करते दिख रहे हैं। दोनों कपल्स के विवाद को सलमान खान 'डर्टी' बताते दिख रहे हैं। यही नहीं इन चारों के अलावा वह अर्शी खान पर भी भड़क जाते हैं, जिन्हें हाल ही में बिग बॉस में चैलेंजर के तौर पर एंट्री मिली है। प्रोमो की शुरुआत में अर्शी सलमान खान से मजाक करती दिखती हैं। अर्शी सलमान खान से कहती हैं, 'मुझे पता था आप आएंगे और मुझे जिल्लत के लड्डू खिलवा के ही रहेंगे।' अर्शी

के इस जोक पर भी सलमान खान उनसे बात करने से इनकार कर देते हैं। सलमान एक बार फिर से अभिनव और रूबीना पर भड़कते हैं, जो दूसरे कपल कविता और रोनित से झगड़ने लगते हैं। रूबीना आरोप लगाती हैं कि कविता ने अभिनव के बारे में उनके बिग बॉस के घर को छोड़ने के बाद टिप्पणियां क्यों कीं। रोनित ने दावा किया कि कविता ने उन्हें अभिनव और रूबीना के गुजरे कल के बारे में बताया है। कविता कहती हैं कि अभिनव ने उन्हें लगातार कई मेसेज भेजे थे। यहां तक कि जब मैंने उनसे कहा कि यदि मेसेज करने बंद नहीं किए तो फिर मैं पुलिस में शिकायत कर दूंगी। कविता के इन आरोपों पर अभिनव कहते हैं, 'मैं उन मेसेजों को देखना चाहूंगी। हम उस पर लीगल तरीके से बात करेंगे।' यही नहीं अभिनव कविता पर उलटे रूबी को धमकी देने का आरोप लगाते हैं। इस पर कविता के पति रोनित कहते हैं, 'क्या तुम यह सोचते हो कि कोई मेरी पत्नी को धमकी देगा और मैं चुपचाप बैठकर देखता रहूंगा।' दोनों कपल्स के इस तरह से झगड़ने पर सलमान खान गुस्सा हो जाते हैं। ब्लेजर उतारते हुए वह दोनों कपल्स से कहते हैं कि एक सेकेंड के लिए शांत हो जाएं और झगड़ा बंद कर दें। सलमान खान गुस्से में कहते हैं, 'क्या खिलवाड़ बना के रखा है, गंदा है ये।'

शिवसेना का प्रयास, जाम के झाम से मिलेगी मुक्ति

➲ गायमुख-फाउंटेन के बीच बनेगा एलिवेटेड मार्ग
➲ वन विभाग उपलब्ध कराएगा जमीन

ठाणे, घोडबंदर रोड स्थित गायमुख से फाउंटेन होटल तक लगने वाले जाम के झाम से मुक्ति पाने के लिए प्रस्तावित ४ किमी लंबे उन्नति मार्ग के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। वन विभाग ने एक महीने के अंदर जमीन उपलब्ध कराने का आश्वासन शिवसेना सांसद राजन विचारे को दिया है। वन विभाग की अनुमति न मिलने की वजह से यह योजना पिछले तीन वर्षों से अटकी पड़ी थी।

तीन साल पहले हुआ था मंजूर

गायमुख से फाउंटेन होटल के बीच हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। इसे दूर करने के लिए राज्य रास्ता विकास महामंडल द्वारा गायमुख से फाउंटेन होटल तक उन्नति मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव वर्ष २०१७ में तैयार किया था।

इस प्रस्ताव को राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूर कर लिया और ६६७ करोड़ रुपये खर्च करने की मान्यता भी प्रदान कर दी थी।

वन जमीन पर अटक गया निर्माण कार्य

जिस जगह पर उन्नति मार्ग का निर्माण किया जाना है वह संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से सटा हुआ है। वन विभाग की अनुमति न मिलने की वजह से यह निर्माण कार्य अटका हुआ था। जाम से मुक्ति के लिए उन्नति मार्ग का निर्माण बेहद जरूरी है। इसी के मद्देनजर शिवसेना सांसद राजन विचारे ने वन अधिकारियों के साथ मौके का मुआयना किया।

जमीन उपलब्ध कराने का आश्वासन

गायमुख से फाउंटेन के बीच उन्नति मार्ग के निर्माण का रास्ता प्रशस्त करने के लिए शिवसेना सांसद राजन विचारे ने अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील लिमये, उप मुख्य वन संरक्षक गजेंद्र हिरे तथा मीरा-भायंदर मनपा आयुक्त डॉ. विजय राठौड़ सहित अन्य अधिकारियों के साथ मौके का मुआयना किया। मौके पर मौजूद लिमये ने एक महीने के अंदर वन जमीन से जुड़ी सभी तकनीकी समस्या का समाधान करने और जमीन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

गेटवे, मरीन ड्राइव पर नहीं होगा नए साल का जश्न, क्रिसमस और न्यू ईयर के लिए कोरोना गाइडलाइंस लाएगी बीएमसी

मुंबई, बीएमसी सूत्रों के मुताबिक, इस साल लोग न्यू ईयर का जश्न गेटवे ऑफ इंडिया, मरीन ड्राइव या चौपाटियों पर नहीं मना सकेंगे। बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल ने कहा कि इस बारे में गाइडलाइंस जल्द ही जारी की जाएंगी। बीएमसी कोरोना संक्रमण को काबू में रखने के लिए गणेशोत्सव और दिवाली की तरह क्रिसमस और न्यू ईयर के लिए भी गाइडलाइंस लागू करेगी। नियमों का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ दंड का भी प्रावधान किया जाएगा। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया, 'मार्च में मुंबई में कोरोना का प्रसार शुरू होने के बाद से हर बड़े त्योहार के पहले बीएमसी गाइडलाइंस जारी करती है। दिवाली के बाद मुंबई में कोरोना की दूसरी लहर आने की आशंका थी। गाइडलाइंस की बदौलत ही बीएमसी उसे रोकने में सफल रही। अब 25 दिसंबर को क्रिसमस व 31 दिसंबर को न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए भी यही कदम उठाया जाएगा।'

बता दें कि बीएमसी कमिश्नर ने मुंबई में नाइट कर्फ्यू लगाने के लिए राज्य सरकार के पास पत्र भेजा है। उन्होंने कहा है कि इस पर 20 दिसंबर के बाद राज्य सरकार कोई फैसला कर सकती है।

यस बैंक बैंक घोटाले के आरोपी राणा कपूर की पत्नी व बेटी को जमानत

मुंबई। मुंबई की विशेष अदालत ने यस बैंक के कथित घोटाले के मामले में आरोपी राणा कपूर की पत्नी बिंदु व बेटी रोशनी को एक-एक लाख रुपए के मुचलके पर जमानत प्रदान की है। इन दोनों पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप है। पिछले दिनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इनके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। न्यायाधीश ने इन दोनों को जमानत देते समय इन्हें सबूतों के साथ छेड़छाड़ न करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत की अनुमति के बिना भारत से बाहर जाने से मना किया है। न्यायाधीश ने इन दोनों को अपने निवास का पता व मोबाइल नम्बर जांच एजेंसी को देने को भी कहा है।

नई पीढ़ी को खेती की ओर आकर्षित करना चाहती है सरकार : तोमर

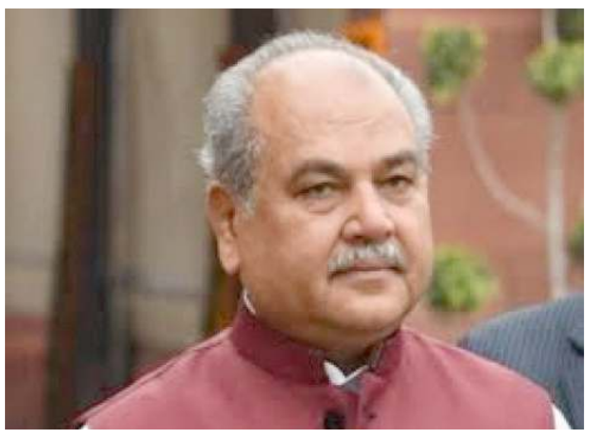

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि किसानों और कृषि क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए केन्द्र सरकार चौतरफा प्रयास कर रही है। आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से भी किसानों को फायदा पहुंचाने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास किसानों का बड़ा डाटा बैंक होगा, जिससे मिट्टी की जांच, बाढ़ की चेतावनी, सेटेलाइट की तस्वीरों से लेकर जमीन के राजस्व रिकार्ड जैसी सूचनाएं किसानों को घर बैठे मिलेगी।

श्री तोमर ने यह बात ईलेट्स टेक्नोमीडिया द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नॉलेज एक्सचेंज समिट के दसवें संस्करण का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि किसानों की माली हालत सुधरे, कृषि क्षेत्र फायदे में आए और नई पीढ़ी खेती की ओर आकर्षित हो। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत 1 लाख करोड़ रूपये के कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड की ऐतिहासिक शुरूआत हो चुकी है। इसका उपयोग गांवों में कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में किया जाएगा। इस फंड से कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस, साइलो, ग्रेडिंग और पैकेजिंग यूनिट्स लगाने के लिए लोन दिया जाएगा।

6,850 करोड़ से 10 हजार एफपीओ बनाने की है योजना

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विकास के लिए 10 हजार करोड़ रूपये के निवेश का प्रावधान किया गया है। जब गांव-गांव इंफ्रास्ट्रक्चर होगा तो किसान उपज को कुछ समय रोककर बाद में उचित मूल्य पर बेचने में सक्षम होंगे। छोटे फुड प्रोसेसिंग यूनिट्स गांव-गांव खुलने से किसानों को लाभ मिलेगा, रोजगार के अवसर खुलेंगे और किसानों को अपनी फसल का वाजिब दाम मिलना शुरू होगा। इसके साथ ही 10 हजार एफपीओ बनाने की योजना भी शुरू की गई है, जिस पर केन्द्र सरकार 6,850 करोड़ रूपये खर्च करेगी।

कुल्हड़ में चाय ! मध्य रेलवे ने की शुरूआत

मुंबई, मुंबई के उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर अब रेल यात्रियों को कुल्हड़ में चाय परोसी जाएगी। इसकी शुरुआत मध्य रेलवे ने कुछ स्टेशनों पर कर दी है। मध्य रेलवे ने मुंबई, नागपुर, भुसावल, सोलापुर, पुणे मंडल में कुल्हड़ (मिट्टी के कप) में चाय बेचना शुरू कर दिया है, जिसे अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

बता दें कि भारतीय रेलवे के सभी रेलवे स्टेशनों पर प्लास्टिक के कपों की बजाय इको-प्रâोंडली 'कुल्हड़' (मिट्टी के कप) में चाय बेची जाएगी। इसके बारे में पूछे जाने पर एक यात्री सुनील जॉन, जो 'कुल्हड़' में चाय पी रहे थे, उन्होंने कहा कि कुल्हड़ में चाय पीने का एक अलग ही मजा है और कुल्हड़ में चाय स्वादिष्ट और अच्छी लगती है। वहीं एक अन्य यात्री ईशाक ने बताया कि कुल्हड़ में चाय पीना एक अलग अनुभव है। कुल्हड़ में चाय स्वादिष्ट लगती है, इसके लिए रेल मंत्री जी को धन्यवाद। गौरतलब है कि कुल्हड़ का उपयोग न केवल पर्यावरण की दिशा में एक अच्छा कदम है, बल्कि मिट्टी के बर्तनों के उद्योग को भी प्रोत्साहन देगा और निर्माताओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

शादीशुदा शख्स ने शादी का झांसा देकर नाबालिग से बनाया संबंध, नहीं मिली जमानत

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाने वाले आरोपी को जमानत देने से इंकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि आरोपी पहले से शादीसुदा था और उसके दो बच्चे है। फिर भी उसने 17 वर्षीय नाबालिग को शादी का वादा कर उसके साथ संबंध बनाए। चूंकि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। और उस पर गंभीर आरोप है। इसलिए उसके जमानत आवेदन को खारिज किया जाता है। न्यायमूर्ति भारती डागरे के सामने आरोपी एच बी पारधी के जमानत आवेदन पर सुनवाई हुई। आरोपी के वकील ने दावा किया कि मेरे मुवक्किल व शिकायतकर्ता के बीच प्रेम संबंध थे। दोनों ने सहमति से संबंध बनाए है। इसके अलावा मेरे मुवक्किल पिछले तीन साल से जेल में है। इसलिए उन्हें जमानत प्रदान की जाए।

वहीं सरकारी वकील एस वी गवंड ने आरोपी की जमानत का विरोध किया। उन्होंने कहा कि आरोपी पहले से शादीसुदा है और उसके दो बच्चे है। फिर भी उसने 17 साल की चार महीने की पीड़िता के साथ संबंध बनाए। पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि आरोपी ने उससे शादी का वादा किया था। इसलिए वह संबंध बनाने के लिए राजी हुई अन्यथा उसने संबंध बनाने से इंकार कर दिया था।

नाबालिग की रजामंदी का मतलब नहीं

मामले से जुड़े दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति ने कहा कि आरोपी पर भारतीय दंड संहिता व पॉक्सो कानून की धाराओं के तहत गंभीर मामला दर्ज है। जहां तक बात पीड़ता की सहमति की है तो नाबालिग की रजामंदी का पॉक्सो के अंतर्गत कोई अर्थ नहीं है। ऐसे में भले ही आरोपी तीन साल से जेल में है। फिर भी उसे जमानत नहीं दी जा सकती है। इस तरह से न्यायमूर्ति ने आरोपी के जमानत आवेदन को खारिज कर दिया। पुलिस ने आरोपी को साल 2017 में अहमदनगर से पकड़ा था। पुलिस ने 32 वर्षीय आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 363,366ए,376, व पॉक्सो कानून की धारा 3,4,7 के तहत मामला दर्ज किया है।

व्यापारी के घर में 30 लाख की चोरी का पदार्फाश, 2 आरोपी गिरफ्तार

नागपुर। व्यापारी के घर में हुई 30 लाख की चोरी का पर्दाफाश हो गया है। अपराध शाखा की टीम ने दो आरोपियों को दबोच लिया है, जबकि दो आरोपियों की तलाश जारी होने की जानकारी अपर आयुक्त सुनील फुलारी ने जिमखाना में आयोजित पत्र परिषद में दी। आरोपियों से चोरी हुए माल में से 20 लाख रुपए का माल जब्त किया गया है।

चुराए हीरे, सोने के आभूषण

परफेक्ट सोसायटी निवासी व्यापारी तीमापुरम गुणकेसरी रेड्डी (61) है। उनका गोदाम किराए पर देने का कारोबार है। 3 दिसंबर 2020 को रेड्डी परिवार के सदस्य गोवा की सैर करने गया था। इस दौरान 8 दिसंबर की दरमियानी रात किसी ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। बेड़रूम में रखी अलमारी से 47 हजार रुपए नकदी, हीरे और सोने के आभूषण कुल 30 लाख 47 हजार रुपए के माल पर हाथ साफ किया था।

दूसरे दिन सुबह घर का ताला टूटा हुआ देखकर पड़ोसी संदीप गजलवार ने फोन कर रेड्डी को इसकी जानकारी दी, जिससे वह नागपुर पहुंच कर 9 दिसंबर को पुलिस को जानकारी दी। आरोपी रेड्डी के घर में प्रवेश करते वक्त सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए थे, हालांकि बाद में आरोपियों ने सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए थे। फुटेज से पुलिस ने आरोपी मयूर भास्कर राव बाबले जयताला निवासी और विनोद बिसनराव कुंभरे सालई कोंढाली निवासी को पहचान लिया। दोनों के खिलाफ चोरी के कई प्रकरण दर्ज हैं।

गुप्त सूचना पर दबोचे गए

शुक्रवार को पुलिस ने आरोपियों को गुप्त जानकारी के आधार पर दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों से चोरी हुए माल में से 20 लाख 61 हजार 900 रुपए का माल जब्त किए जाने की जानकारी अपर आयुक्त ने दी है। शेष फरार आरोपी राम मड़ावी और अक्षय वरुड़कर दोनों बाजार गांव कोंढ़ाली निवासी को सरगर्मी से तलाश जारी है। पत्र परिषद में उपायुक्त राजमाने, सहायक उपायुक्त सुधीर नंदनवार के मार्गदर्शन में वरिष्ठ निरीक्षक विजय तलवारे, किशोर पवर्ते, सहायक निरीक्षक गणेश पवार, संकेत चौधरी आदी ने कार्रवाई में हिस्सा लिया है।

मिहान की उपेक्षा , छह माह से सीएमडी का इंतजार

नागपुर। मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल कार्गो हब एंड एयरपोर्ट एट नागपुर (मिहान) की महाविकास अघाड़ी की सरकार में उपेक्षा होती दिखाई दे रही है। करीब छह माह बीतने के बाद भी नए सीएमडी दीपक कपूर ने अब तक मिहान में दस्तक नहीं दी है। चर्चा है कि, मिहान के चेयरमैन रुचि नहीं ले रहे हैं। मिहान का चेयरमैन पदेन मुख्यमंत्री होता है। विकास ठंडे बस्ते मे जानकारी के अनुसार 2019 में मिहान के सीएमडी सुरेश काकाणी थे और नियमित रूप से उनका मिहान में दौरा होता था। इसके बाद कुछ समय के लिए मिहान सीएमडी के रूप में सचिन कुर्वे ने पदभार संभाला। उनके जाने के बाद यह पद करीब 3 से 4 माह खाली रहा। जून के करीब सीएमडी के रूप में दीपक कपूर ने जिम्मेदारी संभाली। अब हैरानी की बात यह है कि, पिछले छह माह से नए सीएमडी ने मिहान में कदम नहीं रखा है। कोरोनाकाल के दौर में जहां लोग नई-नई तकनीक का उपयोग कर मैदान में डटे हुए हैं। नए सीएमडी अब तक मैदान में ही नहीं आए है। ऐसे में मिहान का विकास ठंडे बस्ते में पड़ा दिखाई दे रहा है। सरकार बनने के पहले आए थे शरद पवार महाराष्ट्र में जब सरकार बनाने को लेकर संग्राम छिड़ा हुआ था उस समय राकांपा सुप्रीमों नागपुर जिले में फसलों का जायजा लेने के लिए दौरे पर आए थे। उन्होंने मिहान का दौरा कर अधिकारियों से मुलाकात की थी और विकास को गति देने की बात कही थी। वर्तमान सरकार में राकांपा महाविकास अघाड़ी का हिस्सा है। उनकी पार्टी के उप-मुख्यमंत्री और गृहमंत्री दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाइटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।